13 नवंबर 2025

गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

भभुअर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भार्गव ऋषि आश्रम पहुंचे पंचकोशी परिक्रमा के यात्री

3

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध

आपकी आवाज

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

देश के 5 एयरपोर्ट को बम की धमकी, इंडिगो को आया मेल, मचा हड़कंप

एजेंसी/नई दिल्ली

देश के पांच एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है. जिससे हड़कंप मच गया. बुधवार (12 नवंबर) को दोपहर 3.30 बजे इंडिगो एयरलाइंस को ईमेल के जरिए 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली . ये एयरपोर्ट दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, त्रिवेंद्रम और हैदराबाद हैं. हालांकि फिलहाल इस बात का पता नहीं चल सका है कि ये मेल किसने भेजा है. मुंबई से वाराणसी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को बीच उड़ान के दौरान बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया. जिसके बाद वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया. वहीं वाराणसी में विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई

गई है और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है. विमान ने बिना देर किए आपातकालीन लैंडिंग की और उसे तुरंत आइसोलेशन बे में ले जाया गया है. उविमान से सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकाल लिया गया है, जबकि बम निरोधक दस्ते द्वारा विमान की पूरी जांच की गई .हालांकि अभी तक किसी भी तरह का कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला है. विमान में 182 यात्री सवार थे.अधिकारियों ने धमकी के सोर्स की जांच शुरू कर दी है. एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि वाराणसी जाने वाली हमारी एक उड़ान को धमकी मिली. प्रोटोकॉल के अनुसार, सरकार द्वारा नियुक्त बॉम्ब थ्रेट असेसमेंट कमेटी को तुरंत सूचित किया गया और सभी जरूरी सुरक्षा उपाय तुरंत शुरू किए गए. सुरक्षित रूप से फ्लाइट की लैंडिंग हुई और सभी यात्रियों को उतार लिया गया. सभी अनिवार्य सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद विमान को परिचालन के लिए छोड़ दिया जाएगा।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने जारी किया बयान

एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि वाराणसी जाने वाली हमारी एक उड़ान को धमकी मिली. प्रोटोकॉल के अनुसार, सरकार द्वारा नियुक्त बॉम्ब थ्रेट असेसमेंट कमेटी को तुरंत सूचित किया गया और सभी जरूरी सुरक्षा उपाय तुरंत शुरू किए गए. सुरक्षित रूप से फ्लाइट की लैंडिंग हुई और सभी यात्रियों को उतार लिया गया. सभी अनिवार्य सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद विमान को परिचालन के लिए छोड़ दिया जाएगा।

दिल्ली पुलिस का बयान

वहीं दिल्ली पुलिस ने बताया कि ह्यदिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल 3 पर बम मिलने की सूचना आज शाम 4 बजे फायर ब्रिगेड को मिली. हालांकि, घटनास्थल की जांच के बाद, यह अफवाह साबित हुई. यह ईमेल इंडिगो के शिकायत पोर्टल पर प्राप्त हुआ था. इसमें दिल्ली, चेन्नई और गोवा सहित कई अन्य एयरपोर्ट्स का भी ज़िक्र था. सूचना के बाद सभी जगहों पर एहतियातन जांच की गई। हाल ही में दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के बाद पूरे देश के हवाई अड्डों पर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं. अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है. एयरपोर्ट्स के अंदर और बाहर उक्रऋ और एयरपोर्ट पुलिस के जवानों की तैनाती बढ़ा दी गई है. वहीं डॉग स्क्वॉड और बम डिस्पोजल टीम को भी सतर्क रखा गया है।

एक्टर धर्मेंद्र अस्पताल से डिस्चार्ज

एजेंसी/मुंबई

एक्टर धर्मेंद्र को बुधवार सुबह मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। उनके परिवार ने फैसला किया है कि अब उनका इलाज घर पर ही किया जाएगा। यह जानकारी उनके डॉक्टर ने दी। मीडिया से बात करते हुए डॉ. प्रतीत समदानी ने बताया कि धर्मेंद्र पिछले कई हफ्तों से कभी अस्पताल में भर्ती हो रहे थे, तो कभी घर लौट रहे थे। उन्हें सुबह करीब 7:30 बजे अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। धर्मेंद्र 10 नवंबर को तबीयत बिगड़ने के बाद से ही मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे। उन्हें सांस लेने में तकलीफ थी। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। सनी देओल की टीम ने मंगलवार को बताया था कि धर्मेंद्र की सेहत में सुधार आ रहा है। उनकी अच्छी सेहत और लंबी उम्र के लिए दुआ करिए। इससे पहले 11 नवंबर की सुबह मीडिया में एक्टर की निधन की फर्जी खबर आई थी, जिसके बाद उनकी बेटी ईशा देओल और पत्नी हेमा मालिनी ने नाराजगी जताई थी। मंगलवार की रात सनी देओल और बॉबी देओल दोनों पिता से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। बॉबी अस्पताल से बाहर बेहद भावुक दिखे थे। धर्मेंद्र फिल्म इक्कीस में नजर आएंगे। ये फिल्म भारत-पाकिस्तान के बीच हुई जंग के यंग सोल्जर अरुण खेत्रपाल की कहानी है। अमिताभ बच्चन के नातिन अगस्त्य नंदा ने फिल्म में अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभाई है, जबकि धर्मेंद्र उनके पिता एम.एल.खेत्रपाल के रोल में हैं।

दिल्ली ब्लास्ट को सरकार ने माना आतंकी हमला

पीएम मोदी ने सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट समिति की बैठक की

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किले पर हुए विस्फोट के बाद बुधवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता की. बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर मौजूद थे. इसमें केंद्र सरकार ने दिल्ली ब्लास्ट को आतंकवादी हमला बताया है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट प्रस्ताव को पढ़ते हुए कहा, "देश विरोधी ताकतों ने 10 नवंबर को लाल किले के पास कार में ब्लास्ट किया. यह एक जघन्य आतंकवादी घटना है. बैठक में लाल किला विस्फोट की जांच, सुरक्षा एजेंसियों

की रिपोर्ट और सरकार की भविष्य की सुरक्षा रणनीति की समीक्षा की.बैठक के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्रधानमंत्री आवास से बाहर निकले. गृह मंत्री शाह के साथ प्रधानमंत्री की करीब आधे घंटे तक अलग से मुलाकात हुई. यह मीटिंग कैबिनेट की बैठक के बाद हुई. कैबिनेट ने दिल्ली ब्लास्ट की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया और जान गंवाने वालों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

मंत्रिमंडल ने निम्नलिखित प्रस्ताव भी किया पारित

- मंत्रिमंडल हिंसा के इस मूर्खतापूर्ण कृत्य के पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करता है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है.
- मंत्रिमंडल सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है और पीड़ितों को देखभाल और सहायता प्रदान करने वाले चिकित्सा कर्मियों और आपातकालीन प्रतिक्रियाकताओं के त्वरित प्रयासों की सराहना करता है.
- मंत्रिमंडल इस नृशंस और कायराना कृत्य की स्पष्ट रूप से निंदा करता है जिसके कारण निर्दोष लोगों की जान गई है.
- मंत्रिमंडल आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराता है.
- मंत्रिमंडल ने दुनिया भर की कई सरकारों द्वारा दिए गए एकजुटता और समर्थन के बयानों की भी सराहना की.
- मंत्रिमंडल उन अधिकारियों, सुरक्षा एजेंसियों और नागरिकों की समय पर और समन्वित प्रतिक्रिया की सराहना करता है जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में साहस और करुणा के साथ कार्य किया. उनका समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा अत्यंत सराहनीय है.
- मंत्रिमंडल निर्देश देता है कि घटना की जांच अत्यंत तत्परता और पेशेवर तरीके से की जाए ताकि अपराधियों, उनके सहयोगियों और उनके प्रायोजकों की पहचान की जा सके और उन्हें बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाया जा सके. सरकार के उच्चतम स्तर पर स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है.
- मंत्रिमंडल राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा के प्रति अपनी स्थायी प्रतिबद्धता के अनुरूप, सभी भारतीयों के जीवन और कल्याण की रक्षा के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प की पुष्टि करता है(

इस्लामाबाद बम विस्फोट के बाद श्रीलंकाई टीम ने पाकिस्तान छोड़ा

एजेंसी/इस्लामाबाद

इस्लामाबाद में आत्मघाती हमले के बाद श्रीलंका क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान दौरा बीच में छोड़ दिया है। टीम के आधे से ज्यादा खिलाड़ी स्वदेश लौट गए हैं। इससे पहले बुधवार को टीम की सुरक्षा बढ़ाई गई थी। इतना ही नहीं, पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ी और अधिकारियों से मिलकर उन्हें पूरी सुरक्षा देने का भरोसा दिलाया, लेकिन श्रीलंकाई खिलाड़ी नहीं माने। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी है। श्रीलंकाई टीम को पाकिस्तानी दौरे पर 3 मैचों की सीरीज खेलनी थी। इस सीरीज में पाकिस्तान 1-0 से आगे चल रही थी। पाकिस्तान ने पहला मैच 6 रन से जीता था। सीरीज का दूसरा मुकाबला 13 नवंबर को खेला जाएगा। मंगलवार, 11 नवंबर को इस्लामाबाद में एक कोर्ट के बाहर आत्मघाती हमला हुआ था। इसमें 12 लोग मारे गए और कई घायल है।3 साल पहले 21 सितंबर 2021 को न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज रद्द कर रही थी। टीम संभावित आतंकवादी हमले की खुफिया सूचना मिलने के बाद बिना कोई मैच खेले ही स्वदेश लौट गई थी।

पार्थ को 42 करोड़ रुपये का डबल स्टांप ड्यूटी का नोटिस

एजेंसी/नई दिल्ली

पुणे की सरकारी जमीन से जुड़ा विवाद एक बार फिर गरमाया है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार की फर्म अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी को 42 करोड़ रुपये की डबल स्टांप ड्यूटी का नोटिस जारी किया गया है। इस पर महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि वह विभाग से इस कार्रवाई पर स्पष्टीकरण मांगेंगे।मंडवा इलाके में सरकारी जमीन की खरीद-बिक्री को लेकर यह मामला सामने आया था। संयुक्त महानिरीक्षक (पंजीयन) ने शुक्रवार को अमाडिया एंटरप्राइजेज को नोटिस जारी किया, जिसमें डील रद्द करने से पहले डबल स्टांप ड्यूटी चुकाने को कहा गया। विपक्ष ने आरोप लगाया था

कि 1,800 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन को मात्र 300 करोड़ में खरीदने की कोशिश की गई थी, जिसके बाद अजित पवार ने सौदा रद्द करने की घोषणा की थी। राजस्व मंत्री बावनकुले ने कहा कि जब जमीन सौदा रद्द किया जा चुका है, तब भी नोटिस क्यों जारी हुआ, इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा, ह्यमुझे देखना होगा कि 42 करोड़ रुपये किस श्रेणी में मांगे गए हैं और क्यों। मैं पंजीयन विभाग से इसका स्पष्टीकरण लूंगा।ह्व उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्थ पवार का नाम एफआईआर में नहीं है क्योंकि यह भूमि दस्तावेजों में दर्ज नामों पर आधारित है। मंत्री ने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने उनसे मुलाकात की और संबंधित सबूत सौंपने की बात कही। उन्होंने कहा कि दोषी अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है, और जांच में नए नाम सामने आए तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। बावनकुले ने कहा कि अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खरगे इस जांच का नेतृत्व कर रहे हैं और किसी तरह के राजनीतिक हस्तक्षेप की गुंजाइश नहीं है।

तंगधार सेक्टर के जाबरी जंगल में तलाशी अभियान के दौरान

जम्मू कश्मीर: सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी, कुपवाड़ा जिले से 6 ग्रेनेड बरामद

एजेंसी/श्रीनगर

जम्मू कश्मीर में आर्तकियों के सफाए के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इस बीच सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है. कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास तलाशी अभियान के दौरान हथियार और छह हथगोले बरामद किए, सेना ने बताया कि जाबरी इलाके से हथगोले मिले थे जिन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया. सेना के मुताबिक विशेष खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर जिले में तंगधार सेक्टर के जाबरी जंगल में तलाशी अभियान शुरू किया,

जिसके बाद एक ठिकाने से छह हथगोले बरामद किए गए. जिन्हें बम निरोधक विशेषज्ञों ने तुरंत मौके पर ही नष्ट कर दिया. हालांकि इस दौरान वहां कोई आतंकी मौजूद नहीं था. फिलहाल इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है. माना जा रहा है कि आतंकी घाटी में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे. लेकिन उससे पहले ही सुरक्षाबलों ने उनके नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया. खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और बीएसएफ ने कुपवाड़ा के तंगधार स्थित जाबरी जंगल में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया था इसी दौरान जंगल में एक ठिकाने से 6 ग्रेनेड बरामद किए गए।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम

इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की. दोनों तरफ से भारी गोलीबारी हुई, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए. मारे गए आतंकियों के पास से हथियारों और गोला-बारूद का बड़ा जखीरा बरामद किया गया था. सेना के अधिकारियों का कहना था कि कि यह घुसपैठ सर्दियों से पहले की कोशिश हो सकती है, क्योंकि बर्फबारी शुरू होने पर छह्व के पास के दर्रे बंद हो जाते हैं, जिसके चलते आतंकवादी संगठन इस समय घुसपैठ की गतिविधियां बढ़ा देते हैं।

सत्तू-मूली प्रसाद और पौराणिक कथाओं से गूंजा उद्दालक आश्रम

पंचकोसी परिक्रमा यात्रा का चौथा पड़ाव अंजनी सरोवर पर उमड़ा आस्था का सागर

- अतिक्रमण से संकट में अंजनी सरोवर का अस्तित्व, श्रद्धालुओं ने की संरक्षण की मांग

केटी न्यूज/बक्सर

विश्व प्रसिद्ध पंचकोसी परिक्रमा यात्रा का कारवां बुधवार की सुबह भभुअर से चलकर नुआंव स्थित महर्षि उद्दालक ऋषि के आश्रम पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। अंजनी सरोवर में स्नान और पूजा-अर्चना के बाद भक्तों ने परंपरा के अनुसार सत्तू-मूली का प्रसाद ग्रहण किया। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इसी स्थान पर महर्षि उद्दालक ने भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को सत्तू-मूली खिलाकर आवभगत की थी, और उसी स्मृति में आज भी यह परंपरा जीवित है।

नुआंव पहुंचने के बाद हजारों श्रद्धालु अंजनी सरोवर में स्नान कर हनुमानजी और माता अंजनी के मंदिर में मत्था टेके। उसके बाद सत्तू-मूली का प्रसाद श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। बसांव पीठाधीश्वर श्री अच्युत प्रपन्नाचार्य जी महाराज के सानिध्य में इस आयोजन का विधिवत शुभारंभ हुआ। बसांव मठ के संतों ने प्रसाद वितरण के साथ कथा-प्रवचन का भी आयोजन किया, जिसमें संतों ने महर्षि उद्दालक, बाल हनुमान और माता अंजनी की लीलाओं का वर्णन किया। इस अवसर पर सुदर्शनाचार्य जी महाराज (भोला बाबा) और डॉ. रामनाथ ओझा सहित कई संत-महात्मा उपस्थित रहे। प्रवचन में भोला बाबा ने कहा कि ह्नुनुआंव स्थित उद्दालक आश्रम के समीप माता अंजनी अपने पुत्र बाल हनुमान के साथ निवास करती थीं। यही कारण है कि यह स्थान आज अंजनी सरोवर के नाम से विख्यात है ह्न उन्होंने कहा कि हनुमानजी का बचपन यहीं बीता और यह स्थल भक्तों के लिए ऊर्जा और भक्ति का केंद्र है।

कथाओं में झलकती पौराणिक गाथाएं

प्रवचन के दौरान यह भी बताया गया कि माता लक्ष्मी की बड़ी बहन दरिद्रा का विवाह महर्षि उद्दालक से हुआ था। कहा जाता है कि महर्षि ने पहले ही अपना अहंकार भगवान विष्णु को समर्पित कर दिया था, जिसके कारण दरिद्रता उनके पास रहते हुए भी उन पर प्रभाव नहीं डाल सकी। इस कथा का संदेश है कि जो व्यक्ति अहंकार को त्यागकर भक्ति के मार्ग पर चलता है, उस पर दरिद्रता हावी नहीं हो सकती। श्रद्धालु इस कथा को सुनकर भाव-विभोर हो उठे और जय श्रीराम के जयघोष से पूरा आश्रम गूंज उठा।

चरित्रवन की ओर बढ़ा कारवां, उमड़ी भीड़

बुधवार की शाम ढलते ही श्रद्धालुओं का कारवां नुआंव से निकलकर चरित्रवन की ओर बढ़ने लगा, जो पंचकोसी यात्रा का पांचवां और अंतिम पड़ाव है। चरित्रवन में गुरुवार को भक्त गंगा स्नान करेंगे और लक्ष्मीनारायण भगवान के दर्शन के बाद विश्व प्रसिद्ध लिट्टी-चोखा का प्रसाद ग्रहण करेंगे। शहर का किला मैदान श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया है। हर आने वाली ट्रेन श्रद्धालुओं से भरी हुई थी। देर रात तक आने-जाने वालों का तांता लगा रहा। स्टेशन से लेकर किला मैदान तक का इलाका भक्ति और उल्लास से सराबोर रहा।

अतिक्रमण से खतरे में अंजनी सरोवर का अस्तित्व

हालांकि, इस भव्य आयोजन के बीच चिंता की एक परत भी दिखी। अंजनी सरोवर पर हो रहे अतिक्रमण से इसका अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। श्रद्धालुओं और पंचकोसी परिक्रमा समिति के सदस्यों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने समय रहते कदम नहीं उठाया, तो आने वाले वर्षों में नुआंव का यह ऐतिहासिक मेला केवल यादों में सिमट जाएगा।

पंचकोसी परिक्रमा समिति के सचिव डॉ. रामनाथ ओझा ने बताया कि सरोवर और परिक्रमा मार्ग पर अतिक्रमण के कारण श्रद्धालुओं को असुविधा हो रही है। संत समाज परिक्रमा की पूरी रस्म निभा नहीं पा रहे हैं। प्रशासन को पूर्व में अवगत कराने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि यह स्थल केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व का केंद्र है। इसलिए इसके संरक्षण के लिए जिला प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

पौराणिक महत्व और लोकआस्था का संगम

पौराणिक ग्रंथों में नुआंव का वर्णन ह्ममहर्षि उद्दालक की तपोस्थलीह्न के रूप में किया गया है। यहां रात्रि विश्राम करने और सरोवर की परिक्रमा करने से दरिद्रता दूर होती है। श्रद्धालु इस आस्था के साथ दूर-दराज के जिलों से यहां पहुंचते हैं। कथा-वाचकों ने बताया कि जो भक्त सच्चे मन से उद्दालक आश्रम की परिक्रमा करता है और माता अंजनी के चरणों में मत्था टेकता है, उसके जीवन से निर्धनता और दुःख स्वतः समाप्त हो जाते हैं।

हर कदम पर भक्ति, हर मोड़ पर परंपरा

पंचकोसी परिक्रमा यात्रा सिर्फ एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि यह बक्सर की लोकसंस्कृति और आध्यात्मिक एकता की प्रतीक बन चुकी है। भोर की पहली किरण से लेकर रात की आरती तक, हर क्षण श्रद्धा से ओतप्रोत दिखता है। सत्तू-मूली के प्रसाद से लेकर लिट्टी-चोखा के भोग तक, यह यात्रा लोगों को न केवल धार्मिक भावनाओं से जोड़ती है, बल्कि सामाजिक एकता का भी संदेश देती है।

समापन चरित्रवन में आज

गुरुवार को यात्रा अपने अंतिम पड़ाव चरित्रवन में पहुंचेगी, जहां गंगा स्नान, लक्ष्मीनारायण भगवान के दर्शन और लिट्टी-चोखा के प्रसाद के साथ परिक्रमा का समापन होगा। इसके बाद श्रद्धालु स्टेशन रोड स्थित बसांव मठिया के विश्राम कुंड पर रात्रि विश्राम करेंगे। पंचकोसी परिक्रमा का यह अनुष्ठान हजारों वर्षों से बक्सर की सांस्कृतिक आत्मा में रचा-बसा है। चाहे श्रद्धालु की थाली में सत्तू-मूली हो या मंच पर कथा-वाचन, हर दृश्य यही संदेश देता है कि जहां आस्था है, वहीं भगवान हैं।

आज पूरा जिला खाएगा लिट्टी चोखा

पौराणिक पंचकोशी परिक्रमा के अंतिम दिन जहां परिक्रमा में शामिल श्रद्धालु चरित्रवन में लिट्टी चोखा का प्रसाद ग्रहण करते है, वहीं इस दिन बक्सर जिले के सभी घरों में लिट्टी चोखा ही बनाया जाता है। यह भी अजीब संयोग है कि पूरा जिला इस दिन पंचकोशी की याद में लिट्टी चोखा ही खाता है। जिससे इस परंपरा की गहराईयों तथा लोगों की आस्था प्रमाणित हो रही है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

कर्नाटक में बक्सर के मजदूरों को बनाया गया बंधक, घर लौटने की कोशिश पर मारपीट

- परिजनों ने डीएम-एसपी से लगाई गुहार, एसपी ने दिया आश्वासन

केटी न्यूज/राजपुर

बक्सर जिले के धनसोई थाना क्षेत्र के दुल्फा गांव के एक दर्जन से अधिक मजदूरों को कर्नाटक में बंधक बनाए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इनमें दुल्फा गांव निवासी प्रेमचंद सिंह पिता गंगा प्रसाद सिंह भी शामिल हैं, जिनकी रिहाई के लिए परिजन जिला प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं।

पीड़ित के भाई चंदन कुशवाहा ने इस संबंध में बक्सर के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को लिखित आवेदन देकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

आवेदन में बताया गया है कि प्रेमचंद सिंह बीते कई महीनों से विजयपुर (कर्नाटक) की एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में मशीन चलाने का काम कर रहा था। कुछ दिन पूर्व उसने घर फोन कर बताया था कि वह 10 नवंबर को गांव लौटने वाला है, लेकिन जब तय तारीख को वह घर नहीं पहुंचा, तो परिजनों ने फोन पर संपर्क साधने की कोशिश की पर कॉल लगातार बंद मिला। काफी प्रयासों के बाद प्रेमचंद से हुई बातचीत में उसने रोते हुए बताया कि जब वह विजयपुर के यहमार रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने पहुंचा, तभी ठेकेदार अपने कुछ लोगों के साथ आया और उसे समेत बिहार व उत्तर प्रदेश के करीब एक दर्जन मजदूरों को जबरन गाड़ी में बैठा लिया। सभी को गन्ने के खेतों में ले जाकर जबरन काम कराया जा रहा है। मजदूरों द्वारा गांव लौटने की बात कहने पर उनके साथ मारपीट की जा रही है और निगरानी में रखा गया है। चंदन कुशवाहा ने कहा कि प्रेमचंद ने किसी तरह मोबाइल से लोकेशन भेजकर मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने प्रशासन से मजदूरों की सुरक्षित वापसी के लिए तुरंत कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय स्तर पर इस घटना ने आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों ने कहा है कि अगर जल्द ही मजदूरों को मुक्त नहीं कराया गया, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। वहीं जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू करने का आश्वासन दिया है।

मामला संज्ञान में आया है। कर्नाटक के स्थानीय प्रशासन से बात कर इस मामले को सुलझाया जा रहा है, जल्दी ही बक्सर के सभी कामगर अपने घर सुरक्षित लौट आएंगे।

शुभम आर्य, एसपी, बक्सर

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

स्ट्रॉन्ग रूम और मतगणना केंद्र की सुरक्षा का डीएम और एसपी ने लिया जायजा

- निर्वाचन व्यवस्था को और पारदर्शी व सुदृढ़ बनाने के दिए निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी विद्यानन्द सिंह तथा पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने बुधवार को स्ट्रॉन्ग रूम और मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, आग से बचाव की व्यवस्था सहित समस्त तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित अभ्यर्थियों के अधिकृत प्रतिनिधियों से संवाद भी किया। उन्होंने प्रतिनिधियों से स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा और व्यवस्थाओं के बारे में सुझाव तथा उनकी संतुष्टि की जानकारी प्राप्त की। प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाएं पूरी तरह संतोषजनक हैं। उन्होंने कहा कि स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा सुदृढ़ है तथा परिसर में 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में वे स्वयं भी उपस्थित रहते हैं।

डीएम विद्यानन्द सिंह ने मौके पर संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाया जाए। उन्होंने कहा कि मतगणना के दिन किसी भी प्रकार की असुविधा या अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी तैयारियां समय से पूरी की जाएं।

पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि मतगणना केंद्र एवं स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हर गतिविधि की सतत निगरानी की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को सतर्कता और संयम के साथ चुनावी प्रक्रिया को संपन्न कराने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के अभ्यर्थियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रशासन का कहना है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए हर स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि मतगणना का कार्य शांतिपूर्ण और विश्वसनीय वातावरण में संपन्न हो सके।

टेंट हाउस गोदाम में भीषण आग, लाखों की संपत्ति राख, ग्रामीणों ने घंटों की मशक्कत से बुझाई लपटें

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के खीरी गांव में बुधवार की शाम एक भीषण अगलगी की घटना ने सबको दहला दिया। गांव के निवासी झूलन लाल के टेंट हाउस गोदाम में अचानक लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया, जिससे लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई।

जानकारी के अनुसार झूलन लाल कई वर्षों से टेंट हाउस का कारोबार करते हैं। उनके गोदाम में सामियाना, सजावट के सामान, जेनरेटर, बिछावन और अन्य कीमती उपकरण रखे हुए थे। शाम करीब चार बजे अचानक बिजली के शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी ने गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। उस समय आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिसके कारण आग धीरे-धीरे फैलती चली गई। जब धुएं का गुबार और तेज लपटें उठने लगीं तो गांव में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की जानकारी मिलते ही समाजसेवी मो. वसीम, रोहित पाल, छोटू पाल, अभिमन्यु प्रजापति, गयासुद्दीन अंसारी, कामेश्वर सिंह, प्रदीप साह, गुड्डू लाल, पूर्व मुखिया कमलेश सिंह समेत सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर आसपास के समरसेबल पंपों को चालू कर आग बुझाने में जुट गए। इस बीच सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद लपटों पर काबू पाया गया।

हालांकि, तब तक गोदाम में रखा लगभग 10 लाख रुपये से अधिक का सामान जलकर खाक हो चुका था। ग्रामीणों ने पीड़ित झूलन लाल के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है। गांव में आग लगने की यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है और लोगों ने विद्युत विभाग से ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

नया भोजपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव की है घटना, घर में मचा कोहराम, मोहल्ले में पसर गया है मातमी सन्नाटा

लोमहर्षक घटना : पति से विवाद के बाद पत्नी ने तीन बच्चों को खिला दी जहर, खुद भी खाई, सभी की हो गई मौत

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के नया भोजपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव में एक लोमहर्षक घटना घटित हुई है। पति से विवाद के बाद एक महिला ने अपने तीन बच्चों समेत खुद भी जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर स्वजनों द्वारा उन्हें इलाज के लिए पहले डुमरांव के एक निजी अस्पताल तथा वहां से रेफर होने के बाद बक्सर सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पहले मां तथा दो बच्चे की मौत हो गई। वही तीसरे बच्चे की मौत पटना ले जाने के दौरान रास्ते में हो गई है। घटना के बाद से गांव में कोहराम मच गया है। पीड़ित परिवार का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है।

मृतकों में नया भोजपुर निवासी सुनील कुमार सिंह की पत्नी सविता देवी 35 वर्ष पुत्री ज्योति 5 वर्ष, पुत्र आकाश तीन वर्ष तथा विकास एक वर्ष शामिल है। जानकारी के अनुसार सुनील राज मिस्त्री का काम करता था तथा सविता उसकी तीसरी पत्नी थी। पूर्व की दो पत्नियां गुजर चुकी है। पहली पत्नी से दो बच्चियां भी है। स्वजनों के अनुसार मंगलवार को किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया था, इसके बाद सुनील काम पर निकल गया, इधर सविता ने घर में रखे चावल में डालने वाला कीटनाशक खुद भी खा लिया तथा बच्चों को भी खिला दिया।

ग्रामीण सूत्रों की माने तो पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। मंगलवार को संभवतः मोबाइल को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था, जबकि ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि पति का अवैध संबंध भी विवाद का कारण था। स्थानीय पुलिस ने विवाद के कारण की पुष्टि नहीं की है, थानाध्यक्ष चंदन कुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है अभी परिवार के लोग शवों का पोस्टमार्टम करवाने गए हैं। उनसे पूछताछ के बाद ही मामले में कुछ कहा जा सकता है। वही इस घटना को लेकर गांव में कई तरह की चचाएं हो रही है, जबकि मोहल्ले में मातमी सन्नाटा पसर गया है।

परिवार ने सविता को बताया मानसिक विक्षिप्त

अपने तीन अबोध बच्चों के साथ जहर खाने वाली महिला को उसके परिवार के सदस्य तथा मायके वाले मानसिक रूप से विक्षिप्त बता रहे है। हालांकि, इसके पूर्व किसी ने उसका इलाज नहीं करवाया था, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है।

एफएसएल टीम ने किया घटना स्थल का निरीक्षण

इसकी जानकारी मिलते ही एफएसएल टीम ने घटना स्थल पहुंच स्थिति का जायजा लिया। टीम ने घटना स्थल से मृतका सविता देवी के कपड़े, वोमेटिंग के नमूने समेत कई अन्य साक्ष्य लिए तथा घर में मौजूद मृतका के भसूर प्रेम सिंह से घटना के संबंध में आवश्यक पूछताछ की।

घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंच स्वजनों से पूछताछ की गई तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। वहीं, मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। प्रथम दृष्टया यह मामाल परिवारिक विवाद का लग रहा है। स्वजनों ने बताया कि मोबाईल खरीदने को लेकर उसका अपने पति से विवाद हुआ था। वैसे इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है, जल्दी ही पूरे मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

आखिर कौन है चार मौतों का जिम्मेवार...

- परिवार द्वारा बताई जा रही घटना की कहानी से उठ रहे है कई सवाल, आठ घंटे बाद हुई स्थानीय पुलिस को जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर में महिला द्वारा अपने पति से विवाद के बाद तीन बच्चों के साथ जहर खा, जान देने की घटना के बाद कई सवाल खड़े हो रहे है। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि आखिर चार मौतो का जिम्मेवार कौन है। मृतकों के परिवार के लोग या पहले इलाज करने वाले चिकित्सक। वहीं, इस घटना में स्थानीय गांव के चौकीदार तथा सूचना तंत्र की विफलता से इंकार नहीं किया जा सकता है।

परिवार के अनुसार पति से विवाद के बाद सविता ने मंगलवार की दोपहर ही अपने बच्चों के साथ खुद भी चावल में डालने वाला कीटनाशक घोलकर पी लिया था, लेकिन इसकी जानकारी मिलने के बाद परिवार वाले स्थानीय पुलिस को सूचना नहीं दिए। वहीं, जहर खाने वाली महिला को छोड़ सिर्फ तीनों बच्चों को लेकर सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराने पहुंच गए। ग्रामीण सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। जबकि अस्पताल के चिकित्सक ने भी इस घटना से पुलिस को अवगत नहीं कराया। बल्कि प्राथमिक इलाज के बाद बच्चों को हायर सेंटर रेफर कर दिया।

शाम में जब दुबारा सभी की हालत बिगड़ी तथा महिला भी मरणासन्न हो गई तो परिवार के लोग सभी को लेकर सदर अस्पताल बक्सर पहुंचे। इस दौरान पीड़ित परिवार मृतका के मायके वालों को इस घटना की जानकारी दे बुला लिए थे, लेकिन घटना के आठ घंटे बाद तक स्थानीय पुलिस इससे अनभिज्ञ रही।

सदर अस्पताल में इलाज के दौरान वहां के डाक्टरों ने इसकी जानकारी बक्सर नगर थाने की पुलिस को दी। नगर थाना के द्वारा ही रात करीब पौने नौ बजे नया भोजपुर पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। तब जाकर स्थानीय पुलिस मामले की जांच-पड़ताल शुरू की। इधर घटना के बाद स्वजनों द्वारा पूरे घर की सफाई कर दी गई, जिससे एफएसएल टीम को बहुत कम साक्ष्य मिल पाए है। इधर मृतका के ससुराल वाले तथा मायके वाले उसे मानसिक विक्षिप्त बता रहे है, लेकिन किसी ने पूर्व में उसके मानसिक बीमारी का इलाज नहीं करवाया है। पूछताछ में मृतका के भसूर प्रेम सिंह ने इसे स्वीकार किया कि उसके मानसिक बीमारी का इलाज नहीं करवाया गया है। वहीं, इस घटना के बाद गांव में कई तरह की चचाएं हो रही है।

घटना के बाद परिवार वालों द्वारा स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी नहीं दिया जाना तथा महिला को घर पर ही छोड़ पीएचसी में इलाज के लिए सिर्फ बच्चों को ले जाना इस बात के प्रमाण है कि परिवार के लोग इस घटना की जो कहानी बता रहे है, हकीकत कुछ उससे इतर जरूर है। अब देखना है कि पुलिस की जांच में इस घटना की सच्चाई क्या निकलकर आ रही है। स्थानीय थानाध्यक्ष चंदन कुमार का कहना है कि पुलिस पूरे मामले की सूक्ष्मता से जांच कर सच्चाई को परत दर परत खोलेगी।

नया भोजपुर में ताजा हो गई पिछले साल की घटना

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर में मां द्वारा अपने तीन बच्चों के साथ जहर खां जान देने की घटना से पिछले साल की एक घटना की यादे ताजा हो गई। बता दें कि नया भोजपुर में पिछले साल पप्पू गोंड की दूसरी पत्नी सीमा देवी ने अपनी सौतेली बेटी की गला दबा हत्या करने के बाद उसे जलाने का प्रयास की थी, लेकिन जब लाश पूरी तरह से नहीं जल पाई थी तो उसने उसे बोरे में भर पलंग के नीचे छिपा दिया था। बाद में जब उक्त बच्ची की खोजबीन शुरू हुई तो पलंग के नीचे बोरे से अधजला शव बरामद हुआ था। जिसके बाद पुलिस ने सीमा को गिरफ्तार कर जेल भेजी थी। इस घटना के बाद लोगों के जेहन में एक बार फिर से पिछले साल की घटना की यादें ताजा हो गई है।

घर के बाहर सोए वृद्ध को अज्ञात अपराधियों ने मारी गोली, हालत गंभीर, रेफर

- रामदास राय के डेरा थाना क्षेत्र के बेनीलाल के डेरा गांव की है घटना
- घटना के बाद से डरे सहमे है ग्रामीण, एसडीपीओ ने लिया घटना स्थल का जायजा

केटी न्यूज/डुमरांव

रामदास राय ओपी क्षेत्र के बेनीलाल के डेरा गांव में बीती रात हुई गोलीबारी की घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। गांव के एक वृद्ध व्यक्ति को अज्ञात हमलावरों ने उस समय गोली मार दी जब वे अपने पुत्र के साथ घर के बाहर सो रहे थे। गंभीर रूप से घायल वृद्ध को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर किया गया है। घटना सोमवार की देर रात करीब 1.30 बजे की बताई जा रही है। घायल की पहचान 60 वर्षीय सुरेंद्र राम के रूप में हुई है, जो अपने पुत्र के साथ रोजाना की तरह घर के आंगन में बिस्तर लगाकर सोए हुए थे। तभी अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ अज्ञात अपराधियों ने उन पर नजदीक से गोली चला दी और फरार हो गए। गोली लगने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर अंधेरे में गायब हो चुके थे। परिजनों ने आनन-फानन में सुरेंद्र राम को सदर अस्पताल, बक्सर पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया। इलाज कर रहे चिकित्सक डॉ. सरस्वती चंद्र मिश्रा ने बताया कि गोली वृद्ध के कंधे के पास लगी है और उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुरेंद्र राम का किसी से कोई विवाद या रंजिश नहीं थी, जिससे हमले के पीछे का कारण रहस्य बना हुआ है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास के इलाकों में जांच शुरू कर दी है। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों की पहचान के लिए छानबीन तेज कर दी गई है। गांव में हुई इस रहस्यमयी फायरिंग ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जबकि घटना की जानकारी मिलते ही डुमरांव एसडीपीओ पोलत्स कुमार मौके पर पहुंच स्थिति का जायजा लिए है। एसडीपीओ ने बताया कि अपराधियों को चिन्हित किया जा रहा है, उन्हें जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जीविका दीदियों के हाथों में सशक्तीकरण की चाभी, आर्थिक रूप से हो रही हैं मजबूत

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के कुलमनपुर गांव में मंगलवार को लक्ष्मी जीविका महिला ग्राम संगठन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जीविका मित्र मंजू द्विवेदी ने की। बैठक में संगठन के विकास, विस्तार और वित्तीय सशक्तीकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान जीविका मित्र मंजू द्विवेदी ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा जीविका दीदियों के लिए जो राशि जारी की गई है, वह क्रमवार सभी सदस्यों के खातों में भेजी जा रही है। इसलिए किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि कई दीदियों के खाते में राशि पहुंच भी चुकी है और शेष सदस्यों को भी जल्द ही लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी अपील की कि जिन्होंने जीविका से ऋण लिया है, वे निर्धारित किस्तों में राशि जमा करें ताकि आगे किसी तरह की आर्थिक परेशानी न हो। बैठक में यह संदेश भी दिया गया कि जीविका का उद्देश्य केवल महिला समूह बनाना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।महिलाओं की सहभागिता और मेहनत से अब गांवों में आर्थिक परिवर्तन दिखने लगा है। महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार रही हैं। बैठक में शकुंतला देवी, धर्मशिला देवी, निर्मला देवी, रीता देवी, गीता देवी, लक्ष्मी देवी रमेश कुमार समेत कई जीविका दीदियां उपस्थित रहीं।

नया भोजपुर में सड़क निर्माण को ग्रामीणों ने रोका, प्राक्कलन बोर्ड लगाने की मांग

डुमरांव। नगर परिषद ने शहर में ऐसा कोई वार्ड नहीं है, जहां रोड नहीं बनाया है। नगर में लगभग दो सौ अधिक विभागीय कार्यादेश से रोडों का जाल बिछा दिया है। जो भी काम कराया गया है, गुणवत्तापूर्ण नहीं होने के कारण जर्जर होने लगा है। ऐसा ही एक काम नप के विस्तारित क्षेत्र नया भोजपुर में रोड बनाने का शुरू हुआ है। बुधवार को काम शुर होते ही इसकी शिकायत शुरू हो गई है। गांव के ही शशिशेखर ने के अगुआयी में गांव के लोग साइट पर जमा हो गए। उन्होंने देखा की महावीर स्थान से एनएच-84 तक सड़क निर्माण हो रहा है, वहां प्राक्कलन बोर्ड लगाया ही नहीं गया है। साथ ही जो काम किया जा रहा है, घटिया किस्म का है। रोड पर ईंट और महीन गिट्टी का प्रयोग नहीं कर ऐसे ही काम शुरू कर दिया गया है। इस तरह से काम शुरू होते ही ग्रामीणों ने काम को रोक दिया। ग्रामीण साइट पर कार्य एजेंसी और विभागीय अभियंता को बुलाने की मांग कर रहे थे। घंटो काम बाधित होने पर साइट पर विभाग के जेई रितुराज पहुंच ग्रामीणों से बात करना शुरू किया। ग्रामीणों का कहना था कि रोड बनाने से पहले प्राक्कलन बोर्ड लगना चाहिए था, क्यों नहीं लगा@ फिर जो मिट्टी भरा गया है, उसके उपर ईंट डालकर महीन गिट्टी क्यों नहीं डाला गया@। जबतक यह सब काम नहीं होगा, तबतक काम शुरू नहीं होगा। कनीय अभियंता ने ग्रामीणों से निवेदन किया की काम शुरू करने दीजिये आपकी सारी मांगे पूरी की जाएंगी। बोर्ड भी लगेगा और गुणवत्तपूर्ण कार्य भी होंगे। फिर सभी ने आपस में बात कर उनके कहे हुए बात पर राजी हुए, फिर काम शुरू हुआ। इधर ग्रामीणों का कहना था कि कए दो रोज देख लिया जाए, फिर सही काम नहीं होगा तो रोक लिया जाएगा और डीएम को बुलाकर साइट को दिखाया जाएगा।

और एक बार फिर मां की ममता से महरूम हो गई निशा और चिंता

- पिता ने की तीन शादियां, लेकिन अलग-अलग कारणों से तीनों की हो गई मौत

रजनीकांत दूबे/डुमरांव

नया भोजपुर में मंगलवार को जहर खाने से सविता देवी व उसके तीन बच्चों की मौत हो गई। सविता सुनील सिंह की तीसरी पत्नी थी। इसके पूर्व सुनील ने दो और शादियां की थी, दोनों की मौत के बाद करीब आठ साल पहले उसने बिहिया के महथिन मंदिर में सविता के साथ सात फेरे लिए थे। लेकिन मंगलवार को घरेलु विवाद में सविता ने अपने बच्चों के साथ जहर खां इहलीला समाप्त कर ली।

यहां बता दें कि सुनील की पहली पत्नी से दो बेटियां निशा 12 वर्ष तथा चिंता 10 वर्ष है। मां की मौत के बाद दोनों बच्चियां ममता की छांव से महरूम हो गई थी। बच्चियों को मां ममता की छांव देने के लिए ही सुनील ने दूसरी शादी की, लेकिन वह पत्नी भी बीमारी की वजह से चल बसी। इसके बाद उसने तीसरी शादी भी की, लेकिन इस बार भी निशा और चिंता को मां की ममता नहीं मिल पाई।

हालांकि, परिवार के अनुसार सुनील के पहली पत्नी से हुई दोनों बच्चियों की परवरिश उनके बड़े भाई प्रेम सिंह व उनकी पत्नी देवान्ति कर रही थी। बावजूद सविता के घर में होने से दोनों का सौतेली ही सही, लेकिन मां की ममता का छांव जरूर मिल रहा था। दोनों बच्चियों को सविता से किसी तरह की शिकायत नहीं थी। लेकिन, शायद नियति को कुछ और ही मंजूर था। सविता की मौत के बाद एक बार फिर दोनों मां की ममता से महरूम हो गई है। घटना के बाद से ही दोनों बदहवास हो गई थी। अपने बड़े पिता प्रेम सिंह के गोद से चिपक दोनों बच्चियां लगातार रो रही थी। इस दौरान छोटी बच्ची चिंता का हालत बहुत खराब हो रहा था। वह रह-रहकर अचेत हो रही थी। हालांकि, आस पास के लोग तथा बड़े पिता दोनों को ढांढस बंधा रहे थे, लेकिन किसी के भी ढांढस का मरहम उनके जख्मों को कम नहीं कर पा रहा था। बच्चियों को देखने के बाद लोग यही कह रहे थे, शायद इनके भाग्य में मां का प्यार-दुलार नहीं है।

किराना दुकान की आड़ में शराब तस्करी का भंडाफोड़

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाने की पुलिस ने बुधवार की सुबह गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के बनकट गांव में छापेमारी कर एक किराना दुकान से एट पीएम ब्रांड अंग्रेजी शराब का 135 फूटी पैक बरामद किया है। हालांकि, पुलिस को चकमा दे कारोबारी भाग निकला है। पुलिस ने किराना दुकानदार सह कारोबारी अजित महतो के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने बताया कि आरोपित की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि छापेमारी की कार्रवाई गुप्त सूचना पर की गई थी।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

भोजपुर-रोहतास

बक्सर, 13 नवंबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सोनपुर मेला 2025 : सीतामढ़ी का 172 सेंटीमीटर ऊंचा जांबाज घोड़ा बना आकर्षण का केंद्र

■ सेल्फी लेने के लिए उमड़ी भारी भीड़

एजेंसी/हरिहरक्षेत्र

बिहार के विश्व प्रसिद्ध हरिहरक्षेत्र सोनपुर मेला में इस बार सीतामढ़ी के डॉ. जितेंद्र यादव का 172 सेंटीमीटर ऊंचा ह्यजांबाजह्ल घोड़ा सबका ध्यान खींच रहा है। जांबाज अब तक यूपी, बिहार और नेपाल की 20 प्रतियोगिताओं में विजेता रह चुका है। सारण के सोनपुर में गंगा और गंडक के संगम तट पर लगने वाले विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला की शुरूआत 9 नवंबर को हो गई। प्रमंडलीय आयुक्त राजीव रोशन ने सोनपुर मेले का उद्घाटन किया।

सोनपुर मेला एक महीने तक 10 दिसंबर तक चलेगा। बिहार के विश्व प्रसिद्ध हरिहरक्षेत्र सोनपुर मेले में हर साल की भांति इस बार भी लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। सोनपुर मेले के घोड़ा बाजार में इस बार सीतामढ़ी जिले के परिहार के रहने वाले डॉ. जितेंद्र यादव का 172 सेंटीमीटर ऊंचा घोड़ा ह्यजांबाजह्ल लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। जांबाज के साथ सेल्फी लेते लोग देखे जा सकते हैं। जांबाज सबसे ऊंचा घोड़े का नाम है, जिसकी चर्चा मेले में खूब हो रही है। यह घोड़ा उत्तर प्रदेश, बिहार और नेपाल की 20 प्रतियोगिताओं में विजेता रह चुका है। पिछले 9 साल से जांबाज किसी भी मुकाबले में पराजित नहीं हुआ। ह्यजांबाजह्ल की हाईट देखकर मेला देखने आने वाले लोग इसकी तस्वीरें खींचे बिना नहीं रह पा रहे हैं। उएपशु प्रेमी जीतेंद्र यादव ने बताया कि उन्होंने इस बार अपने साथ सिंधी नस्ल का ह्यकोबराह्ल घोड़ा, पाकिस्तानी बुली कुत्ता और तिब्बती मास्टिफ नस्ल के कुत्ते भी प्रदर्शनी में लाए हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि उनके पास पहाड़ी नस्ल की भेड़ भी है, जो पिछले आठ वर्षों से विजेता रही है। उन्होंने इसे चीन सीमा के पास एक किसान से खरीदा था। उइसके अलावा, उनके पास 15 इंच का कुत्ता और थाईलैंड से लाया गया एक विशेष नस्ल का कुत्ता भी है, जो लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। उनका कहना है कि वे इन जानवरों को बेचते नहीं, बल्कि सिर्फ प्रदर्शनी के लिए लाते हैं। जीतेंद्र कहते हैं कि हम इन जानवरों से परिवार जैसा प्रेम करते हैं। यह हमारा जुनून और शौक है। वो पिछले 17 वर्षों से लगातार सोनपुर मेला में अपने जानवर लेकर आ रहे हैं और हर साल दर्शकों की भीड़ उनके स्टॉल पर उमड़ती है।

मुंगेर में तीसरी कक्षा के छात्र ने की आत्महत्या : मां की डांट से नाराज होकर हॉस्टल की खिड़की से लगाया फांसी

एजेंसी/ मुंगेर

मुंगेर में हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां तीसरी कक्षा के छात्र ने स्कूल के हॉस्टल में सुसाइड कर ली। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। इस घटना से पुलिस भी हैरान है। बताया जाता है कि हॉस्टल से वह बार-बार भागकर घर आ जाता था। इसी बात को लेकर बेटे को मां ने डांटा था। उसके बाद उसे स्कूल ले जाकर छोड़ दिया था। मां के स्कूल से जाने के आधे घंटे बाद वह स्कूल के हॉस्टल में गया और वहां जाकर गले में फांसी लगा ली। मृत बच्चे की पहचान पौकरी गांव निवासी दीपक बिंद के बेटे साहिल के रूप में हुई है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि साहिल हॉस्टल में रहना नहीं चाहता था। वह बार-बार हॉस्टल से भागकर

घर आ जाता था और हर बार मां उसे हॉस्टल पहुंचाती थी। इसे लेकर मां उसे डांट फटकार भी लगाती थी। लेकिन साहिल मां की बात मानने को तैयार नहीं था, वह फिर हॉस्टल से भागकर घर आ गया था। इस बार भी मां ने उसे खूब डांटा कहा कि पढ़ाई करके बड़ा आदमी बनना है। इसके लिए तुमको घर पर नहीं बल्कि हॉस्टल में रहकर ही पढ़ना होगा और परिवार का नाम रोशन करना होगा। साहिल हवेली खड़गपुर के कृष्णा बाजार स्थित एक प्राइवेट स्कूल के हॉस्टल में रहता था। वह तीसरी कक्षा का छात्र था। साहिल के इस कदम से हर कोई हैरान है। हॉस्टल के शिक्षक-शिक्षिकाएं जब साहिल के बारे में सुने तो उन्हें पहले विश्वास नहीं हुआ। साहिल हॉस्टल के खिड़की से लटका हुआ था। स्कूल के टीचर ने बच्चे को गोद में उठाकर हवेली खड़गपुर स्थित अस्पताल ले गये जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। मां का रो-रोकर बुरा हाल है। उनके आंखों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। वही पिता दीपक बिंद दूसरे प्रदेश में रहकर मजदूरी करते हैं। जब उन्हें इस घटना की जानकारी हुई तब फूट-फूटकर रोने लगे। बेटे की मौत से वो काफी सदमें में हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज आगे की कार्रवाई में जुट गयी है।

मुजफ्फरपुर में बेटे की मौत के 9 घंटे बाद मां की गई जान : बेटे की फोटो देखते ही तोड़ा दम

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। जहां बेटे की मौत के 9 घंटे बाद मां ने भी दम तोड़ दिया। सुबह में बेटे की हार्ट अटैक से मौत हो गयी थी और शाम में मां भी चल बसी। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि अंडीगोला इलाके में बेटे की मौत के करीब 9 घंटे बाद उसकी मां ने भी सदमे में दम तोड़ दिया। 54 वर्षीय अनिल कुमार की बुधवार सुबह हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। परिवार ने अनिल का अंतिम संस्कार सिकंदरपुर मुक्तिधाम में किया और शाम को घर लौटकर उनकी तस्वीर रखी। परिजनों ने जब तस्वीर पर फूल-माला चढ़ाया तो पास ही कुर्सी पर बैठी 78 वर्षीय विमला देवी अपने बेटे की तस्वीर को निहारती रहीं और कुछ ही देर बाद अचानक वह कुर्सी से गिर पड़ीं। जब परिजन उसे उठाने के लिए दौड़े तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। विमला देवी के पति कन्हैया ला काफी सदमें में है। उन्होंने एक ही दिन बेटे और पत्नी को खो दिया है।

बिहार में वोटिंग के बाद पुलिस का फ्लैग मार्च जिला प्रशासन ने आम लोगों से की यह अपील

एजेंसी/ मोतिहारी

बिहार विधानसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद मोतिहारी शहर में शांति और सौहार्द कायम रखने के उद्देश्य से जिला पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। चुनावी रंजिश या आपसी विवाद को रोकने के लिए वरिये अधिकारी के निर्देश पर नगर थाना क्षेत्र में पुलिस की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया। नगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल सड़कों पर उतरा और शहर के मुख्य मार्गों, बाजारों तथा संवेदनशील इलाकों में भ्रमण किया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखें तथा किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। थानाध्यक्ष राजीव रंजन ने बताया कि एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर नगर थाना क्षेत्र के तमाम संवेदनशील और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में फ्लैग मार्च किया जा रहा है। इसका मुख्य

उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव के बाद किसी प्रकार का विवाद या तनाव उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और हर स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। किसी भी व्यक्ति द्वारा कानून-व्यवस्था भंग करने या चुनावी रंजिश में उलझने की कोशिश की गई तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च में नगर थाना की पुलिस के साथ-साथ जिला पुलिस बल और अर्धसैनिक बल के जवान भी शामिल रहे। इस दौरान पुलिस ने शहर के मुख्य चौक-चौराहों, बस स्टैंड, स्टेशन रोड, अस्पताल क्षेत्र और अन्य प्रमुख जगहों से होकर मार्च किया। पुलिसकर्मियों की मौजूदगी से लोगों में सुरक्षा की भावना बनी रही। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम जनता में विश्वास कायम रखने और असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश देने के लिए उठाया गया है कि प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अरवल में डीएम अभिलाषा शर्मा ने मतगणना केन्द्र का किया निरीक्षण, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का भी लिया जायजा

एजेंसी/ पटना

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के द्वितीय चरण के शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न होने के बाद आगामी मतगणना की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने फतेहपुर संडा महाविद्यालय अरवल स्थित मतगणना केन्द्र सह स्ट्रांग रूम का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी प्रणाली, पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी मॉनिटरिंग एवं मतगणना कक्ष की व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां 24 घंटे राउंड-द-क्लॉक निगरानी और सुरक्षा ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। मतगणना से पूर्व बिजली, परिवहन, संचार एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित सभी व्यवस्थाओं का परीक्षण पूर्ण कर

लिया जाए, ताकि मतगणना के दिन किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।सुरक्षा की दृष्टि से त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है पहली लेयर में जिला पुलिस बल, दूसरी में केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल तथा तीसरी लेयर में विशेष पुलिस बल स्ट्रांग रूम के नजदीकी क्षेत्र की निगरानी कर रहे हैं। संपूर्ण परिसर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी में रखा गया है, जिसका 247 लाइव मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से किया जा रहा है। इसके अलावा परिसर के चारों ओर धारा 144 लागू की गई है ताकि अनधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश रोका जा सके। प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर, पास प्रणाली और पुलिस चेकिंग की व्यवस्था भी सख्ती से लागू है।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतगणना 14 नवम्बर 2025 (शुक्रवार) को होगी, जिसके लिए सभी आवश्यक तकनीकी, लॉजिस्टिक एवं सुरक्षा तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का सर्वोच्च उद्देश्य मतगणना को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराना है।

भोजपुर में 1.36 लाख हेक्टेयर में रबी की खेती, खेतों में जल जमाव से किसान चिंतित

एजेंसी/ आरा

भोजपुर जिले में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में एक लाख दो हजार 421 हेक्टेयर में गेहूं की खेती होगी। यह पिछले वर्ष की तुलना में करीब दो हजार हेक्टेयर अधिक है। पिछले वर्ष लगभग इतना ही लक्ष्य निर्धारित था। वहीं रबी के सभी फसलों के लिए एक लाख 36 हजार हेक्टेयर में खेती का लक्ष्य है। जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि रबी फसल को लेकर किसानों के बीच कार्यशाला आयोजित कर खेती और बीज पर अनुदान की जानकारी दी गई है। अनुदानित दर पर बीजों का वितरण प्रारंभ है। इधर, किसान भी रबी फसल को लेकर तैयारी शुरू कर चुके हैं। वे धान की कटनी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन धान के खेतों में पानी जमा है। जबकि नवंबर

माह का समय रबी फसल की बुआई के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।कृषि विज्ञान केंद्र के पूर्व निदेशक डॉ. पीके द्विवेदी ने बताया कि मौसम विभाग रबी फसल के लिए मौसम को अनुकूल बता रहा है। किसानों को रबी बुआई में जुट जाने का समय है, लेकिन अभी तक खेत खाली नहीं है। मोंथा चक्रवात ने किसानों की हालत पतली कर दी है। लगातार मौसम की मार झेल रहे किसानों के सामने अब रबी फसल की बुआई को लेकर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। आमतौर पर हर साल 15 नवंबर से गेहूं, तिलहन और आलू की बुवाई शुरू हो जाती है, लेकिन इस बार खेतों में जलजमाव और धान के गिरे फसल ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि 15 से 30 नवंबर तक का समय गेहूं, तिलहन और आलू की बुवाई के लिए सबसे उपयुक्त होता है, लेकिन इस बार धान की कटाई अधूरी है और खेतों की जुताई संभव नहीं हो पा रही। शाहपुर, बड़हरा और जगदीशपुर के चार हजार से अधिक जमीन में धान की खड़ी फसल गिर गई है। कई गांवों में अब तक खेतों में पानी भरा हुआ है, जिससे बुवाई की संभावना फिलहाल दूर दिख रही है। किसानों की उम्मीद थी कि धान की फसल खराब होने के बाद समय पर गेहूं और तिलहन की बुवाई कर वे कुछ हद तक नुकसान की भरपाई कर पाएंगे, लेकिन खेतों से पानी नहीं निकलने के कारण वे दोहरी मार झेल रहे हैं। एक और खरीफ फसल का नुकसान, दूसरी और रवि की बुवाई पर संकट ने चिंता बढ़ा दी है। जब धान की फसल पकने की स्थिति में थी, तभी एक महीने के भीतर आए दो चक्रवती तूफानों ने भारी वर्षा के साथ फसल बर्बाद कर दी। पहले अनावृष्टि से फसल की पैदावार प्रभावित हुई, फिर लगातार वर्षा ने खेतों में जलभराव कर किसानों की सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। उकई स्थानों पर धान की फसल अब भी पानी में सड़ रही है। किसान मौसम के सामान्य होने और खेतों से पानी निकलने का इंतजार कर रहे हैं। यदि समय पर खेत सूखे नहीं तो फसल की बुवाई में भारी विलंब होगा, जिससे रबी फसल के प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है।

जेडीयू प्रत्याशी नागेंद्र चंद्रवंशी पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज, वोटिंग के दिन गाड़ी पर झंडा लगाकर घूमने का आरोप

एजेंसी/ नोखा

नोखा विधानसभा क्षेत्र से जेडीयू प्रत्याशी नागेंद्र चंद्रवंशी पर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ है। मतदान के दिन अपनी गाड़ी पर पार्टी का झंडा लगाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गयी है। सीओ मधुसूदन चौरसिया ने इस बात की पुष्टि की है। अंचलाधिकारी मधुसूदन चौरसिया ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा था। जिसमें नोखा से जेडीयू के उम्मीदवार नागेंद्र चंद्रवंशी मतदान के दिन अपनी गाड़ी पर पार्टी का झंडा लगाकर घूम रहे थे। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सीओ के आवेदन पर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गयी। फिलहाल

पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार यदि कोई प्रत्याशी वोटिंग के दिन पार्टी का झंडा या प्रचार सामग्री का प्रदर्शन करता है तो यह आचार संहिता का उल्लंघन माना जाता है। जेडीयू प्रत्याशी नागेंद्र चंद्रवंशी पर केस दर्ज होने के बाद नोखा में राजनितिक हलचल तेज हो गयी है। फिलहाल इस मामले की जांच की जा रही है।

एक नजर

चुनाव खत्म के बाद लोगों के बीच सियासी बहस की जुबानी जंग शुरू, मतगणना पर टिकी

बिक्रमगंज। काराकाट और दिनारा विधानसभा क्षेत्रों में मंगलवार 11 नवंबर को कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अब जब ईवीएम का बटन दब चुका है,तो दोनों क्षेत्रों में सियासी तापमान तेजी से बढ़ गया है। सुबह से शाम तक मतदाताओं की कतारें लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत का नजारा पेश करती रहीं। नौजवानों की टोलियां, महिलाओं का उत्साह और बुजुर्गों का संकल्प सबने मिलकर मतदान को त्योहार का रूप दे दिया। जैसे ही मतदान संपन्न हुआ,वैसे ही चौक-चौराहों,हाट-बाजारों और चाय की दुकानों पर जीत-हार की गणना शुरू हो गई । कहीं समर्थक झंडा लेकर जश्न की तैयारी में हैं,तो कहीं विरोधी खेमे में ह्यचुपचाप सियासी गणितह्ल बैठाई जा रही है । हर कोई अपने हिसाब से जीत का आंकड़ा जोड़ने में जुटा है । चर्चा का बाजार इतना गर्म है कि हर गली-मोहल्ले में बस एक ही बात गूंज रही है कि 14 तारीख को ही असली खेल का पता चलेगा। वही 14 नवंबर को जिला मुख्यालय सासाराम के बाजार समिति परिसर में कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना होगी । वही दिन तय करेगा कि किसके सिर सजेगा जीत का सेहरा और किसके अरमान रह जाएंगे अधूरे। मतदान शांतिपूर्वक हो चुका है,लेकिन अब पूरे काराकाट और दिनारा में एक ही बात चल रही है कि ईवीएम में जनता का फैसला बंद है। जो अब वोटिंग गिनती के दिन का इंतजार है।

बिजली करंट से एक की मौत,घर में मातम

काराकाट। कछवां थाना क्षेत्र के कैथी गांव में बिजली की करंट से एक व्यक्ति की मौत हो गई। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के कैथी निवासी करीब 40 वर्षीय शैलेंद्र पाल की मौत बिजली की करंट से हो गई । उन्होंने कहा कि मिली सूचना पर शव को कब्जे में लेकर मृतक के परिजनों समक्ष कानूनी कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है।

अतिथि प्रध्यापकों को मतदाता बनाने की मांग

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के प्रस्तावित सीनेट चुनाव में अतिथि सहायक प्रध्यापकों को मतदाता बनाने की मांग वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, अतिथि सहायक प्रध्यापक संघ ने की है।इसे लेकर कुलपति को ज्ञापन सौंपा है।ज्ञापन में संघ के अध्यक्ष डॉ. आदित्य कुमार आनंद ने कहा है कि विगत कई वर्षों से अतिथि प्रध्यापकों के द्वारा अध्यापन कार्यों एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों में अहम भूमिका निभायी जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए सीनेट के चुनाव में अतिथि प्रध्यापकों को भी मतदाता बनाया जाय। ज्ञापन सौंपने वालों में डॉ. एसपी राय, डॉ एसडी सिंह, डॉ. बिंकटेश्वर चौधरी, डॉ. अनामिका, डॉ राकेश कुमार,डॉ गोपाल कुमार, डॉ. सुनीता, डॉ. लक्ष्मी, डॉ. राधिका रमण सिंह,डॉ अशोक कुमार तिवारी शामिल है।

डाकघर की नई पहल, महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना से आर्थिक सशक्तिकरण की नई उड़ान

आरा। पोस्ट ऑफिस ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक नई पहल शुरू की है। केंद्र सरकार की ह्यमहिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजनाह्ल अब भोजपुर जिले के सभी डाकघरों में उपलब्ध है। डाक अधीक्षक नीरज कुमार ने महिलाओं के लिए इस योजना के तहत खाता खोलने की सुविधा शुरू की है। यह योजना महिलाओं को निवेश के लिए प्रोत्साहित करने और उन्हें वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने का सशक्त माध्यम साबित हो रही है। योजना में महिलाएं दो वर्ष की अवधि के लिए निवेश कर सकती हैं और उन्हें 8% वार्षिक ब्याज मिलेगा, जो तिमाही आधार पर चक्रवृद्धि ब्याज के रूप में जोड़ा जाएगा। निवेश की राशि न्यूनतम 1,000 रुपये से लेकर अधिकतम 2,00,000 रुपये तक हो सकती है। विशेष रूप से, निवेश के एक वर्ष पूरा होने पर महिलाएं अपनी जमा राशि का 40% तक आंशिक निकासी कर सकती हैं। यह सुविधा आपातकालीन परिस्थितियों या विशेष आवश्यकताओं में बड़ी राहत देती है। डाक अधीक्षक के अनुसार, यह योजना ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है।केंद्र सरकार ने अन्य डाकघर बचत योजनाओं की ब्याज दरों में भी वृद्धि की है। सेविंग डिपॉजिट और पीपीएफ को छोड़कर सभी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें बढ़ाई गई हैं, जिससे स्मॉल सेविंग कस्टमर्स, किसानों, कारीगरों, वरिष्ठ नागरिकों, छोटे व्यापारियों और महिलाओं को लाभ मिलेगा।

पटना के अटलपथ पर बड़ा हादसा : रोड क्रॉस कर रही महिला को स्कॉर्पियो ने रौंदा, मौके पर ही दर्दनाक मौत

पटना। जहां सड़क हादसे में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गयी। घटना पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र अंतर्गत अटल पथ की है। महिला महेश नगर के पास रोड क्रॉस कर रही थी, तभी स्कार्पियो ने महिला को कुचल डाला जिससे उसकी मौत हो गयी। घटना के बाद स्कॉर्पियों चालक मौके से फरार हो गया। मृतका की पहचान मनोरमा देवी के रुप में हुई है, जो घरों में काम करती थी। मनोरमा देवी इंद्रपुरी रोड नंबर 11 में बेटे के साथ किराये के मकान में रहती थी। वह मूल रूप से गया की रहने वाली थी। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेजा। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फूटेज के आधार पर स्कॉर्पियों का पता लगा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। बताया जाता है कि मृतका 25 साल के बेटे के साथ इंद्रपुरी में रहती थी और चौका बर्तन कर गुजारा करती थी। पति ने उसे बेटे के जन्म के बाद ही छोड़ दिया था। जिसके बाद से वो बेटे की परवरिश के लिए गया से पटना आ गयी और यहां दूसरों के घर में काम कर घर चलाती थी। उसका बेटे दीपक केबल ऑपरेटर का काम करता है।

पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, पीएमसीएच में शुरू हुआ 30 बेड का अत्याधुनिक इंडोर वार्ड

इन बीमारियों का होगा इलाज

नये ईएनटी इंडोर वार्ड में अब गले की गिलटी, टेढ़ी नाक, कान के पर्दे में छेद और अन्य जटिल बीमारियों का इलाज आधुनिक तकनीक से किया जाएगा। डॉक्टरों के मुताबिक, अब मरीजों को पहले की तरह पुराने वार्ड में सीमित संसाधनों में इलाज नहीं कराना पड़ेगा। यहां अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर, मॉनिटरिंग सिस्टम और आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की सुविधा दी गई है।

पीएमसीएच में लगातार बढ़ रही आधुनिक सुविधाएं

गौरतलब है कि पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल को विश्वस्तरीय बनाने के तहत कई चरणों में नये भवन और विभाग तैयार किए जा रहे हैं। पिछले महीने ही 270 बेड वाले मेडिसिन इंडोर वार्ड की सुविधा शुरू की गई थी। यह वार्ड अस्पताल के दूसरे और चौथे फ्लोर पर बनाया गया है। इसमें एसी कमरे, ऑक्सीजन पाइपलाइन, डिजिटल मॉनिटरिंग और अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा दी गई है।

एजेंसी/पटना

बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) से जुड़ी एक बड़ी और राहत देने वाली खबर सामने आई है। ईएनटी यानी नाक, कान और गला संबंधी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए अब इलाज की आधुनिक सुविधा उपलब्ध हो गई है। मंगलवार को पीएमसीएच में बने विश्वस्तरीय अस्पताल के पहले फेज में 30 बेड के ईएनटी रोग विभाग के इंडोर वार्ड का शुभारंभ किया गया। इस वार्ड के शुरू हो जाने से न केवल मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी, बल्कि अस्पताल में भीड़ का दबाव भी कम होगा। मंगलवार को अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आई. एस. ठाकुर और चर्म रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा सिंह की देखरेख में इस वार्ड का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के बाद पहले ही दिन सात से अधिक मरीजों को यहां भर्ती किया गया। इन मरीजों में ऐसे लोग शामिल हैं, जो लंबे समय से गले, कान या नाक संबंधी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे थे। डॉ. ठाकुर ने बताया कि पहले ईएनटी विभाग का इंडोर वार्ड पुराने भवन में, अधीक्षक कार्यालय के सामने स्थित था। लेकिन अब इस वार्ड को नवनिर्मित विश्वस्तरीय भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है, ताकि मरीजों को बेहतर और स्वच्छ माहौल में इलाज मिल सके।

एक नजर

बिहार में तेज रफ़्तार वाहन ने महिला को रौंदा, हुई मौत

कैमूर। कैमूर जिले के भभुआ थाना क्षेत्र के बारे हाई स्कूल के पास एक अज्ञात वाहन ने धान की फसल देखकर घर लौट रही महिला को जोरदार टक्कर मार दी है। जिससे महिला की मौत हो गई है। मृतका की पहचान बारे गांव निवासी रमेन्द्र गुप्ता की 41 वर्षीय पत्नी लालती देवी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार लालती देवी अपने खेतों में धान की फसल देखने गई थीं और घर लौटते समय सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल महिला को तुरंत भभुआ सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। ग्रामीणों ने बताया कि इस रास्ते से अक्सर तेज रफ्तार वाहन गुजरते हैं, जिसके कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। भभुआ थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

गया जी में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मतदान, 68 .64% मतदाताओं ने किया वोट

गयाजी । बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण में मंगलवार को गया जी जिले के सभी 10 विधानसभा क्षेत्रों में शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न हुआ। जिले के किसी भी क्षेत्र से किसी अप्रिय घटना या गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली। मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही लोग लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लेने के लिए मतदान केंद्रों पर कतारबद्ध होकर पहुंचे।जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह डीएम शशांक शुभंकर ने बताया कि मंगलवार को हुए द्वितीय चरण के मतदान में जिले के 10 विधानसभा क्षेत्रों में 68.64% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह संख्या पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में लगभग 10% अधिक है। जानकारी के अनुसार, जिले में दूसरे चरण के तहत इमामगंज, शेरघाटी, बाराचट्टी, बोधगया, टनकुप्पा, गुरुआ, वजीरगंज, टिकारी, अतरी और बेलागंज विधानसभा क्षेत्रों में वोटिंग हुई। मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम 6 बजे तक चला। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने अर्धसैनिक बलों की तैनाती की थी। डीएम शशांक शुभंकर, एसएसपी आनंद कुमार और अन्य वरीय अधिकारी लगातार क्षेत्र का भ्रमण करते रहे। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी रखी गई। डीएम ने बताया कि मंगलवार को संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के दौरान अतरी विधानसभा क्षेत्र के दो, जबकि इमामगंज और बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र के एक-एक मतदान केंद्र पर मतदाताओं ने वोट बहिष्कार किया। प्रशासन ने सभी बूथों पर ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की पूर्व जांच कर ली थी। कुछ बूथों पर मतदान शुरू होने के समय तकनीकी गड़बड़ियां आईं, जिन्हें तुरंत ठीक कर लिया गया। डीएम के अनुसार, गया जिले में इस बार 68.64% मतदान दर्ज हुआ, जबकि पिछली बार यह 58.65% था। ग्रामीण इलाकों में मतदान प्रतिशत अधिक रहा, जबकि शहरी क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम वोटिंग हुई।

भोजपुर में मतगणना के लिए 2 बीएसएफ 1 सीआईएसएफ कंपनी तैनात, बाजार समिति परिसर में चाक-चौबंद सुरक्षा

पार्किंग की विशेष व्यवस्था

प्रशासन उम्मीदवारों और उनके समर्थकों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए एहतियाती कदम उठा रहा है। ओवरब्रिज के आसपास पार्किंग की विशेष व्यवस्था की जा रही है। मतगणना केंद्र और आसपास के क्षेत्रों को कई जोनों में विभाजित कर पैरा मिलिट्री फोर्स की तैनाती की जाएगी।

सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी

डीएम तनय सुल्तानिया और एसपी राज लगातार सुरक्षा व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रशासन का दावा है कि मतगणना के दौरान पूरी व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी। मतगणना कक्ष परिसर में सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है। फुटेज रिकार्डिंग और निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। संबंधित पदाधिकारियों को सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम तनय सुल्तानिया और एसपी राज स्वयं सुरक्षा तैयारियों की निगरानी लगातार कर रहे हैं ताकि मतगणना के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना न रहे।

एजेंसी/आरा

भोजपुर जिले की सात विधानसभा सीटों की मतगणना 14 नवंबर को होनी है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम अंतिम चरण में हैं। बाजार समिति परिसर में मतगणना से ठीक दो दिन पूर्व बुधवार को तीन कंपनी पैरा मिलिट्री फोर्स आरा पहुंच गई। तीनों कंपनियों को हित नारायण क्षत्रिय स्कूल, संजय गांधी कॉलेज और इंदु तपेश्वर महिला कॉलेज में ठहराया गया है। इनमें दो कंपनी बीएसएफ तथा एक कंपनी सीआईएसएफ शामिल है। वज्र गृह में पहले से ही थ्री लेयर अतिरिक्त सुरक्षा है। एइधर, मतगणना केंद्र की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त की जा रही है। सड़कों पर जगह-जगह बैरियर लगाए गए हैं। मतगणना के दिन आम वाहनों की आवाजाही मतगणना स्थल की ओर पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। प्रमुख मार्गों को सील किया जाएगा, ताकि मतगणना स्थल के आसपास अनावश्यक भीड़ न जुटे। एट्रैफिक व्यवस्था के तहत, न्यू पुलिस लाइन की ओर से आने वाले मार्ग में मिशन स्कूल ओवरब्रिज के पास, कतीरा की ओर से आने वाले रास्ते में कतीरा ओवरब्रिज के पास तथा जीरो माइल की दिशा से आने वाले मार्ग में धोबिघठवा के पास बैरियर लगाकर वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा।

समस्तीपुर डीएम ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण, मतगणना से पहले सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद, दिए आवश्यक निर्देश

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की मतगणना नजदीक आते ही जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। इसी क्रम में बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-डीएम रोशन कुशवाहा और पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने समस्तीपुर कॉलेज स्थित वज्रगृह (स्ट्रांग रूम) का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने मतदान के बाद जमा की गई ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा, व्यवस्था और निगरानी प्रणाली की बारीकी से समीक्षा की। डीएम रोशन कुशवाहा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि वज्रगृह की सुरक्षा अभेद्य रहनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतगणना केंद्र में प्रवेश केवल उन्हीं व्यक्तियों को मिलेगा, जिनके पास निवार्ची पदाधिकारी द्वारा जारी आधिकारिक पहचान पत्र होगा। सुरक्षा जांच के उपरांत केवल निवार्ची पदाधिकारी, नियुक्त मतगणना अभिकर्ता तथा फॉर्म-18 पर अधिकृत व्यक्ति ही काउंटिंग हॉल में प्रवेश कर सकेंगे।

उन्होंने यह भी सख्ती से निर्देश दिया कि एक बार अंदर प्रवेश करने वाले कर्मी या अभिकर्ता को बाहर जाने के बाद पुनः प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह व्यवस्था मतगणना प्रक्रिया की शुचिता, पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य की गई है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने काउंटिंग हॉल के अंदर की टेबल व्यवस्था, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा बलों की तैनाती और कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतगणना प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होनी चाहिए तथा सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतगणना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था त्रिस्तरीय रहेगी। प्रत्येक संवेदनशील बिंदु पर पुलिस बल, अर्धसैनिक बल और दंडाधिकारी की तैनाती की जाएगी। प्रशासन का दावा है कि पूरी तैयारी के साथ मतगणना को निष्पक्षता और पूर्ण सुरक्षा के बीच सम्पन्न कराया जाएगा।

बेगूसराय में दिल दहलाने वाली वारदात, शराब पीने से मना करने पर पति ने पत्नी को जिंदा जलाया

एजेंसी/बेगूसराय

बिहार के बेगूसराय जिले से एक रौंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। जिले के बखरी थाना क्षेत्र के सोनमा गांव में शराब पीने से मना करने पर एक पति ने अपनी पत्नी को जिंदा जलाकर मार डाला। यह दर्दनाक वारदात मंगलवार की देर रात की बताई जा रही है, जिसने पूरे गांव को दहला कर रख दिया है।मृतका की पहचान सोनमा निवासी जितेंद्र कुमार की 25 वर्षीय पत्नी रितु कुमारी के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, जितेंद्र कुमार अक्सर शराब पीकर घर लौटता था और आए दिन पत्नी के साथ विवाद और मारपीट करता था।मंगलवार की रात भी वह नशे में धुत होकर घर पहुंचा। इस पर रितु कुमारी ने उसे शराब छोड़ने की नसीहत दी। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पति जितेंद्र ने गुस्से में आकर रितु पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। कुछ ही देर में रितु आग की लपटों में घिर गई और झुलसकर मौके पर ही उसकी मौत हो गई। आस-पड़ोस के लोग जब तक मौके पर पहुंचे, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही

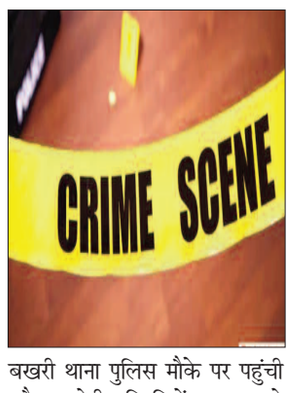

बखरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पति जितेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में यह मामला घरेलू विवाद और शराब के नशे से उपजे हिंसक झगड़े का प्रतीत होता है।घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। लोगों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, स्थानीय लोगों ने यह भी कहा कि शराबबंदी कानून के बावजूद गांव में शराब की उपलब्धता घरेलू हिंसा की बड़ी वजह बनती जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पटना में प्रदूषण के बढ़ते स्तर ने बढ़ाई लोगों की मुसीबत, अदकपहुंचा 300 के पार

एजेंसी/पटना

बिहार में ठंड की दस्तक के बाद अब पटना की हवा ने जहरीला रूप ले लिया है। मंगलवार को समनपुरा का वायु गुणवत्ता सूचकांक 334 तक पहुंच गया, यह रेड जोन में आता है। हाल के दिनों में पटना का औसत अदक 196 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट में दानापुर में 213, मुरादपुर में 182, राजवंशी नगर में 172, तारामंडल में 161 और शेखपुरा में 115 अदक दर्ज हुआ। जबकि ढट2.5 का स्तर मानक से कई गुना ज्यादा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार तापमान गिरने से हवा ठंडी और भारी हो जाती है। यह नीचे की ओर बैठती है, जिससे हवा की गति कम हो जाती है। सर्दी में नमी भी कम होती है, यह प्रदूषक कणों को आपस में चिपकाकर जमीन पर गिराने का काम करती है। नमी न होने से धूलकण हवा में तैरते रहते हैं। निर्माण कार्यों से उड़ती धूल और वाहनों का धुआं फंसकर रह जाता है। समनपुरा जैसे इलाकों में सड़क की सफाई सही से न होने के कारण धूल की मोटी परत जमा है। ऐसे में लोगों को सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन और गले में खराश की शिकायत बढ़ गई है। बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। डॉक्टरों ने मास्क लगाने और बाहर कम निकलने की सलाह दी है। सरकार ने निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी है। पानी का छिड़काव और मैकेनिकल स्वीपिंग बढ़ाई जा रही है। लेकिन विशेषज्ञ कहते हैं कि जब तक प्रदूषण के कारणों पर सख्ती नहीं होगी, राहत मुश्किल है। पटना पिछले कुछ सालों से सर्दी में प्रदूषण की मार झेल रहा है। इस बार ठंड जल्दी आने से नवंबर में ही हालात बिगड़ गए। उठउइ ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के तहत और सख्त कदम उठाने को कहा है। फिलहाल पटना में कई जगहों की हवा सांस लेने लायक भी नहीं बची है। लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। प्रदूषण कम करने के लिए सबको मिलकर प्रयास करने होंगे।

बिहार में तेजी से पांव पसार रहा डेंगू और चिकनगुनिया, मुजफ्फरपुर में 74 मरीज एडमिट

एजेंसी/पटना

बिहार में डेंगू और चिकनगुनियां के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। मुजफ्फरपुर में डेंगू के 50 और चिकनगुनिया के 24 मरीजों की पहचान हुई है। जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आवश्यक कदम उठाए हैं। मुजफ्फरपुर सदर अस्पताल में डेंगू के मरीजों के लिए अलग व्यवस्था की गयी है। 10 बेड का विशेष वार्ड बनाया गया है। इसके अलावे सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दो-दो बेड की व्यवस्था की गई है। 42 बेड की विशेष व्यवस्था की गयी है। जहां डेंगू और चिकनगुनियां के मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। मुजफ्फरपुर के 16 प्रखंडों में मोतीपुर को छोड़ सभी जगहों पर डेंगू के मामले सामने आए हैं। मुसहरी प्रखंड में सबसे अधिक मरीज मिले हैं। औराई, बोचहां, गायघाट, कांटी, कटरा, कुढ़नी, मीनापुर, मुशहरी, मुरौल, पारू, सकरा, बंदरा, मड़वन, साहेबगंज, सरैया में डेंगू के मरीज मिले हैं जहां फॉगिंग और सफाई तेजी से हो रहा है। मुजफ्फरपुर सदर अस्पताल के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (उटड) डॉ. चंद्रशेखर ने बताया कि डेंगू के लक्षण दिखते ही मरीज को एडमिट किया जा रहा है। डेंगू की जांच और उपचार की पूरी व्यवस्था की गयी है। प्लेटलेट गिरने पर तुरंत मरीज का इलाज शुरू किया जाता है। उन्होंने बताया कि अचानक तेज बुखार, जी मिचलाना, त्वचा पर लाल चकत्ते, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, पेट दर्द, उल्टी और जोड़ों में तेज दर्द होने के लक्षण पाये जाने पर तुरंत डॉक्टस से मिलना चाहिए और जांच के बाद इलाज समय पर कराना चाहिए। वही स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। घरों में रखे गमले, कूलर, पुराने टायर और पानी जमा होने वाले जगह को हमेशा साफ सुथरा रखे। कही पर भी पानी जमने नहीं दें। डेंगू मच्छरों से बचने के लिए जरूरी कदम उठाए। फुल शर्ट पहने, रात में मच्छरदानी का इस्तेमाल करें, गुडनाइट और मच्छर अगरबत्ती जलाकर सोए। बता दें कि डेंगू का मच्छर एडीज एजिप्टी है, जो अपने शरीर और पैरों पर सफेद धारी या धब्बों से पहचाना जा सकता है। डेंगू मच्छर दिन में काटता है, विशेष रूप से सुबह और शाम को यह मच्छर हमला करता है। रुके हुए साफ पानी में प्रजनन करता है। यह सीधे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता, बल्कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को काटने

डेंगू के मच्छर की पहचान

- **रंग और धब्बे :** इनका शरीर काले रंग का होता है जिस पर चांदी जैसे सफेद निशान और पैरों पर सफेद धारी होती है।
- **शरीर पर निशान :** इसके शरीर पर एक वीणा के आकार का सफेद पैटर्न बना होता है।
- **आकार :** यह अन्य मच्छरों की तुलना में छोटा और शांत होता है।
- **काटने का समय :** यह मुख्य रूप से दिन में, खासकर सुबह और शाम को काटता है, जब सूरज उगता है और डूबता है।

डेंगू कैसे फैलता है

- जब डेंगू से संक्रमित व्यक्ति को यह मच्छर काटता है, तो वह वायरस को ग्रहण कर लेता है।
- फिर, जब यह मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, तो वायरस उस व्यक्ति में फैल जाता है, जिससे वह भी संक्रमित हो जाता है।
- यह सीधे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता।

बचाव के तरीके

- **प्रजनन स्थलों को नष्ट करें :** घर और आसपास रुके हुए पानी को हटा दें, जैसे गमलों के नीचे, बाल्टियों, और नालियों में। ठहरे हुए पानी में मच्छर अंडे देते हैं।
- **व्यक्तिगत सुरक्षा :** मच्छर भगाने वाली क्रीम और स्प्रे का उपयोग करें।
- **मच्छरदानी :** रात में मच्छरदानी के अंदर सोएं।
- **पूरे शरीर को ढकें :** हल्के रंग के और पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें।

पटना के अटलपथ पर बड़ा हादसा : रोड क्रॉस कर रही महिला को स्कॉर्पियो ने रौंदा, मौके पर ही दर्दनाक मौत

पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र अंतर्गत अटल पथ की है। महिला महेश नगर के पास रोड क्रॉस कर रही थी, तभी स्कार्पियो ने महिला को कुचल डाला जिससे उसकी मौत हो गयी। घटना के बाद स्कॉर्पियों चालक मौके से फरार हो गया। मृतका की पहचान मनोरमा देवी के रुप में हुई है, जो घरों में काम करती थी। मनोरमा देवी इंद्रपुरी रोड नंबर 11 में बेटे के साथ किराये के मकान में रहती थी। वह मूल रूप से गया की रहने वाली थी। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेजा। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फूटेज के आधार पर स्कॉर्पियों का पता लगा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। बताया जाता है कि मृतका 25 साल के बेटे के साथ इंद्रपुरी में रहती थी और चौका बर्तन कर गुजारा करती थी। पति ने उसे बेटे के जन्म के बाद ही छोड़ दिया था। जिसके बाद से वो बेटे की परवरिश के लिए गया से पटना आ गयी और यहां दूसरों के घर में काम कर घर चलाती थी। उसका बेटे दीपक केबल ऑपरेटर का काम करता है। बुधवार की शाम 6 बजे की यह घटना है, जब यह हादसा हुआ तब बेटे को भी इसकी खबर नहीं थी। वह घर पर अपनी मां का इंतजार कर रहा था। जब उसे इस बात की जानकारी हुई तो अटल पथ की ओर रवाना हुआ। मां की लाश को देखकर वह फूट-फूटकर रोने लगा।

सुभाषितम्

आत्मविश्वास सरीखा दूसरा कोई मित्र नहीं। यही हमारी उन्नति में सबसे बड़ा सहायक होता है। - स्वामी विवेकानंद

सामाजिक और आर्थिक प्रगति के 5 मंत्र

बर्कशायर हेथवे कंपनी के चेयरमैन वारेन बुफेट दुनिया के सबसे बड़े निवेशक हैं। शेयर बाजार में उन्हें बाइबल की तरह पढ़ा जाता है। 93 वर्ष की उम्र में वह अपनी कंपनी के अध्यक्ष पद से विदाई ले रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने अपने शेयरधारकों को एक भावभीना पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने 5 ऐसे मंत्र बताए हैं, जिनके सहारे उन्होंने दुनिया में शेयर बाजार के कारोबार में भारी धन कमाया। वह धन को प्राथमिकता नहीं देते हैं। उनका कहना है, बुद्धिमत्ता और विश्वास के साथ उन्होंने संपूर्ण जीवन को जिया और निवेश किया है। उन्होंने ईसानियत को हमेशा सर्वोच्चता पर रखा है। उन्होंने पिछले माहों में करीब 3.4 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेचकर नगदी के रूप में धन को रखा है। जिस तरह के हालात वे देख रहे हैं, उसे देखते हुए उन्होंने अपने शेयर बेचकर नगदी के रूप में धन जमा किया। उनके इस कदम को सारी दुनिया के कारोबारी आश्चर्य के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने सेवानिवृत्ति के अवसर पर आर्थिक और सामाजिक सफलता के लिए पांच मंत्रों का उल्लेख किया है। पहले मंत्र में उन्होंने कहा, फैसला गलत हो जाने पर कभी अपने आप को दोष मत दो। उनसे सबक सीखो और आगे बढ़ो। हर गलती एक सबक होती है, हार नहीं होती है। उन्होंने दूसरा मंत्र बताया, सही हीरो चुनो, उसके बताए हुए रास्ते पर चलने की कोशिश करो। जीवन में सही आदर्श चुनना और उसको फॉलो करना ही आपको आदर्श और बेहतर जिंदगी की ओर ले जा सकता है। बफेट ने जिन्हें फॉलो किया था, उनमें उन्होंने मेंटर टॉम मर्फी को सबसे बेहतर इंसान बताया। सफलता के तीसरे सूत्र में उन्होंने कहा, की महानता, धन-ताकत और प्रसिद्धि से नहीं आती है। जब आप किसी की मदद करते हैं, आप दुनिया की मदद कर रहे होते हैं। जीवन की असली सफलता दूसरों की भलाई करने में है। सिर्फ मुनाफा कमाने से आप बड़े और महान नहीं बन सकते हैं। दयालुता की कोई कीमत नहीं होती है। दयालुता अनमोल रत्न है। बफेट ने अल्फ्रेड नोबेल की कहानी का उल्लेख करते हुए कहा, अगर आप तुम्हारी मृत्यु हो जाए। मृत्यु की सूचना पर आपके बारे में क्या लिखा जाएगा, ऐसा जीवन जीना चाहिए। जो उस सूचना और लिखे गए लेख को सही साबित करे। बफेट ने कहा कि पांचवा मंत्र है, सबके साथ बराबरी से पेश आओ। कोई भी व्यक्ति छोटा बड़ा नहीं होता है। सफाई करने वाला कर्मचारी भी इंसान है। वह भी अध्यक्ष की तरह सोचता है, और काम करता है। आपकी सफलता में ऐसे लोगों का सबसे बड़ा हाथ होता है। निवेश में धैर्य की जरूरत होती है। जीवन में ईमानदारी और सफलता ही सबसे बड़ी पूंजी मानी जाती है। विनम्रता से बड़ी कोई पूंजी नहीं होती है। जब आप बड़े आदमी होते हैं और विनम्र रहते हैं तभी आप जमीन से जुड़े हुए महान व्यक्ति के रूप में याद किए जाते हैं। वर्तमान में सारी दुनिया महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी की ओर आगे बढ़ रही है। शेयर बाजार में उन्होंने लाखों करोड़ों रुपए कमाए, सारी दुनिया उनको फॉलो करती थी, लेकिन वर्तमान समय में उन्होंने अपने शेयर बेचकर नगदी धन जमा करना शुरू कर दिया है। वारेन बफेट के अनुसार शेयर बाजार अपने सबसे बुरे दौर में जाने वाला है, जिसके पास नगद राशि रहेगी वही अपने धन को बचा पाएगा। शेयर बाजार में निवेश अब सुरक्षित नहीं रहा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद जिस तरह से दुनिया के देशों में कर्ज की बयार बही उसने सभी सरकारों, उद्योगपतियों, कारोबारियों और आम आदमियों को कर्ज के जाल में फंसा दिया है। पिछले 20 वर्षों में आर्थिक प्रगति कर्ज के आधार पर हुई है। अब यह कर्ज चुका पाने की स्थिति गड़बड़ा रही है। शेयर बाजार को पिछले 20 वर्षों में जिस तरह से कृत्रिम तरीके से बढ़ाया गया है, उसके कारण अब शेयर बाजार ही अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा जोखिम है। 93 वर्ष की उम्र में जब उनकी कंपनी की नेटवर्क 13 लाख करोड़ रुपए की है उसे वह छोड़ने जा रहे हैं।

चिंतन-मनन

संवेदनशील और सबल बनो

सदाचार का तब तक पालन किए जाओ जब तक यह तुम्हारा स्वभाव न बन जाए। मित्रता, दया और ध्यान का अभ्यास जारी रखो। जब तक यह न समझ जाओ कि यह तुम्हारा स्वभाव है। जब कार्य स्वभावतः किया जाता है,तब तुम फल की लालसा नहीं रखते हो। सहजता से बस कार्य किए जाते हो। स्वभावतः किया हुआ काम न तो थकान देता है और न पुंठित करता है। दांत साफ करना, नहाना, इत्यादि दैनिक कार्य को कृत्य नहीं समझा जाता क्योंकि ये दैनिक जीवन से जुड़े क्रिया-कलाप हैं। इन सब कार्य को तुम बिन कर्तापन के करते हो। जब सेवा तुम्हारा स्वभाव बन जाता है, तब यह कर्तापन रहित होता है। ज्ञानी अभ्यास जारी रखते हैं ताकि वे औरों के लिए उदाहरण बनें, हालांकि उनको किसी अभ्यास की आवश्यकता नहीं। जो संवेदनशील हैं, प्रायः वे कमजोर होते हैं। जो स्वयं को सबल समझते हैं, वे प्रायः असंवेदनशील होते हैं। कुछ व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होते हैं पर औरों के प्रति नहीं। और कुछ लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, पर खुद के प्रति नहीं। जो व्यक्ति केवल अपने प्रति संवेदशील हैं, वे प्रायः औरों को दोष देते हैं। जो केवल दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, वे स्वयं को असहाय और दीन समझते हैं। कुछ इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संवेदनशील होना ही नहीं चाहिए क्योंकि संवेदनशीलता पीड़ा लाती है। वे अपने आप को औरों से दूर रखने लगते हैं परन्तु यदि तुम संवेदनशील नहीं हो तो जीवन के अनेक सूक्ष्म अनुभवों को खो दोगे जैसे अंतर्ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम का उल्लास। यह पथ और ज्ञान तुम्हें सबल भी बनाता है और संवेदनशील भी। असंवेदनशील व्यक्ति प्रायः अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानते। और जो संवेदनशील हैं, वे अपनी ताकत को नहीं पहचानते। उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। संवेदनशीलता अंतर्ज्ञान है, अनुकम्पा है, प्रेम है। संवेदनशीलता आत्म-बल है। और आत्म-बल है स्थिरता, तितिक्षा (सहनशीलता), मौन, प्रतिक्रिया-विहीनता, आत्मविश्वास, निष्ठा और एक मुस्कान।

किशोरों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने की सार्थक पहल !

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

दुनिया के 180 देशों की मुश्किलों जगहों में वंचित बच्चों तक पहुंच बनाने और काम करने को समर्पित यूनिसेफ ने किशोरों को सर्वाइकल कैंसर व सड़क दुर्घटनाओं से बचाने हेतु जागृति हेतु नई पहल शुरू की है। किशोर स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों पर मीडिया की भूमिका को सशक्त बनाने के उद्देश्य यूनिसेफ इंडिया द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ट्रेनर्स ऑफ ट्रेनर्स वर्कशॉप हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न हुई है। वर्कशॉप के उद्घाटन सत्र में यूनिसेफ इंडिया की कम्युनिकेशन प्रमुख जाफरिन चौधरी ने कहा, ह्ययुवा उन स्वास्थ्य मुद्दों पर सटीक जानकारी पाने के हकदार हैं, जो उन्हें और समाज को प्रभावित करते हैं। यह तभी संभव है जब वैज्ञानिक और चिकित्सीय जानकारी को मीडिया के जरिए सटीक और जिम्मेदारी से लोगों तक पहुंचाया जाए। गलत जानकारी से लड़ने का सबसे अच्छा तरीका यही है। हमें सीखना, विश्लेषण करना और समझना होगा कि कैसे तकनीकी जानकारी को प्रस्तुत किया जाए ताकि लोग उसे समझें और उस पर भरोसा करें। उनका मानना था कि ह्य सर्वाइकल कैंसर, सड़क सुरक्षा और ऐसे कई अन्य मुद्दों पर जागरूकता को पत्रकारों में क्रिटिकल अप्रेजल स्किल्सह्न ?यानी तथ्यों की गहराई से जांचने की क्षमता के माध्यम से और बेहतर तरीके से समझाया व प्रसारित किया जा सकता है। वरिष्ठ संपादकों के मार्गदर्शन में इस दिशा में यूनिसेफ पिछले एक दशक से प्रयासरत है। यूनिसेफ इंडिया कंट्री ऑफिस के स्वास्थ्य प्रमुख (कार्यकारी) डॉ. विवेक वीरेंद्र सिंह ने कहा, ह्यसर्वाइकल कैंसर ऐसा एकमात्र कैंसर है जिसे वैक्सीन से रोका जा सकता है। जागरूकता इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। मीडिया समाज में व्याप्त झिझक और गलत धारणाओं को तोड़ने में अहम भूमिका निभा सकता है। अगर मीडिया इस विषय को वर्जित मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक साझा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत करे तो महिलाएं समय पर मदद ले सकेंगी। हर सटीक और संवेदनशील खबर हमें उस भविष्य के और करीब ले जाती है, जहां कोई भी महिला एक रोकी जा सकने वाली बीमारी से अपनी जान न गंवाए। डॉ.विवेक वीरेंद्र सिंह ने कहा, ह्यहर दुर्घटना रोकी जा सकती है और मीडिया सड़क सुरक्षा को एक साझा सामाजिक और शासन के मुद्दे के रूप में फिर से परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिसके लिए त्रासदी के बाद की सहानुभूति के बजाय डेटा-आधारित जवाबदेही की आवश्यकता है। अगर मीडिया, नीति निमार्ताओं और नागरिक डेटा प्लेटफॉर्म के बीच मजबूत तालमेल बना सके, तो सड़क सुरक्षा से जुड़ी खबरें रोकथाम, कानून के पालन और समानता पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। स्वास्थ्य विषयों में संपादकों की रणनीतिक भागीदारी के लिए कार्यशाला कार्यशाला का विषय ह्यउभरती किशोर स्वास्थ्य चुनौतियां झ सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि देश में साल 2022 में देश में सर्वाइकल कैंसर के लगभग 79,103 नए मामले दर्ज किए गए और 34,805 महिलाओं की इस बीमारी से मृत्यु हुई – जबकि यह एक ऐसी बीमारी है जिसे रोका जा सकता है। वहीं दूसरी ओर सड़क सुरक्षा पर एक विशेष सत्र में बताया गया कि भारत में हर साल 150,000 से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं, जिसमें बच्चे और युवा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। वर्कशॉप में किशोर स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों, खासतौर पर सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मीडिया से अपनी भूमिका को और मजबूत करने का आह्वान किया गया। वर्कशॉप में वरिष्ठ स्वास्थ्य संपादकों के साथ क्रिटिकल अप्रेजल स्किल्सह्न यानी तथ्यों पर आधारित रिपोर्टिंग और रणनीतिक तरीके से स्टोरी पेश करने की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई।इसका मकसद था किशोरों के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर अधिक प्रभावी और जिम्मेदार पत्रकारिता को बढ़ावा दिया जा सके। इस वर्कशॉप में पूरे भारत से वरिष्ठ संपादक, स्वास्थ्य पत्रकार, मीडिया एजुकेटर और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ एक साथ आए। इसका उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा पर तथ्यों पर आधारित, निरंतर और मानव-केंद्रित रिपोर्टिंग को मजबूत करना था । निस्संदेह, ये भारत की दो सबसे गंभीर, लेकिन कम रिपोर्ट की जाने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियां हैं। प्रतिभागियों ने न्यूजरूम के भीतर की व्यवस्थागत बाधाओं की जांच की, गलत सूचनाओं का मुकाबला करने में मीडिया की भूमिका पर चर्चा की और साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़ों को लोगों की असली जिंदगी की कहानियों से जोड़ने के लिए रणनीतियां भी तैयार की। यूनीसेफ की कम्युनिकेशन्स आफिसर सोनिया सरकार ने बताया कि एम्स के प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पल्लवी शुक्ला; निमहंस के डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के प्रमुख डॉ. गौतम एम. सुकुमार और मध्य प्रदेश में यूनिसेफ के चीफ ऑफ फील्ड ऑफिसर अनिल गुलाटी ने भी वर्कशॉप में भाग लेने वाले संपादकों को संबोधित किया। उल्लेखनीय है कि प्रतिभागियों ने छह संपादकीय समूहों में काम किया ताकि किशोरियों के स्वास्थ्य, खासकर सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की बेहतर कवरेज के लिए न्यूजरूम की रणनीतियां तैयार की जा सकें। संपादकों ने यह भी पता लगाया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स डेटा विश्लेषण, शोध अनुवाद और तथ्यों पर आधारित रिपोर्टिंग में कैसे मदद कर सकते हैं। साथ ही वैज्ञानिक शोध को क्षेत्रीय और भाषाई मीडिया के लिए सुलभ बनाने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। यह वर्कशॉप क्रिटिकल अप्रेजल स्किल्स फ्रेमवर्क के अंतर्गत आयोजित की गई थी, जो यूनिसेफ समर्थित पहल है। इसे 2014 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन के साथ साझेदारी में शुरू किया गया था। उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षित सलाहकार अब मास्टर ट्रेनर बनकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान और कर्नाटक में पत्रकारों के लिए राज्य स्तरीय वर्कशॉप आयोजित करेंगे। ये गलत सूचनाओं को दूर करने, रिपोर्टिंग की गुणवत्ता में सुधार करने और सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा पर जिम्मेदार, डेटा पर आधारित जानकारी को बढ़ावा देने के लिए भाषाई मीडिया की क्षमताओं को मजबूत करेंगे।ऐसी उम्मीद की जा रही है।

लाल किला हादसा: सुरक्षा के घेरे में असुरक्षा

- योगेश कुमार गोयल

दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए भयानक धमाके ने न केवल देश की राजधानी दिल्ली बल्कि राष्ट्रीय चेतना को झकझोर दिया। शाम के करीब सात बजे जब दिल्ली अपनी सामान्य चहल-पहल में डूबी थी, अचानक लाल किला मैट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास एक तेज धमाका हुआ, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। कुछ ही पलों में कार जलते मलबे में बदल गई, आसपास खड़ी गाड़ियां आग की लपटों में घिर गई और घना धुआं आसमान में छा गया। यह दृश्य किसी युद्ध के बाद की तबाही जैसा था, आवाज इतनी भयावह कि चांदनी चौक से लेकर जामा मस्जिद तक सायरन और चीखों की गूंज फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक सफेद हुंडई आई-20 कार में अचानक जबरदस्त विस्फोट हुआ। कार के परखच्चे उड़ गए और आग ने पास खड़ी गाड़ियों, ई-रिक्शा आदि को अपनी लपटों में ले लिया। कुछ ही सैकेंडों में पूरा इलाका दहशत के घेरे में था। विस्फोट की तीव्रता ने न केवल वाहनों को चूर-चूर किया बल्कि लाल किला और आसपास की इमारतों तक को हिला दिया, आसपास की दुकानों के शीशे टूट गए और लोगों के दिलों में एक बार फिर वही पुराना भय लौट आया, वह भय जो दिल्ली ने 2001, 2005, 2008 और 2011 के धमाकों के दौरान महसूस किया था। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। आनन-फानन में जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुट गई कि वाहन में कौन सवार था और विस्फोट से पहले क्या गतिविधियां हुई। जांच एजेंसियों के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं। दिल्ली-एनसीआर और पुलवामा में लगातार छापेमारी से अलफलाह यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर आतंकी डॉ. उमर नबी दबाव में आ गया था। वह फरीदाबाद से जल्दबाजी में अधूरा तैयार आईईडी लेकर कार से निकला, जिससे धमाका हुआ। इसलिए धमाके का असर सीमित रहा और क्रेटर या छर्रे नहीं मिले। धमाके वाले दिन, आई20 कार लाल किला पहुंचने से पहले दिल्ली के कई इलाकों से गुजरी थी। कार दोपहर ढ़ाई बजे कनॉट प्लेस पहुंची और कुछ देर बाद वहां से निकल गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार में विस्फोट सामाग्री वही थी, जो फरीदाबाद से जब्त की गई है। यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़ा है, जो जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और यूपी में सक्रिय है। इस मामले में गिरफ्तार फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ. शाहीन शाहिद ने स्वीकार किया है कि वह अपने साथी आतंकी डॉक्टरों के साथ मिलकर देशभर में हमलों की साजिश रच रही थी। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि वह पिछले दो सालों से विस्फोटक जमा कर रही थी। लाल किला केवल एक राष्ट्रीय स्मारक नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र और अस्मिता का प्रतीक है। इसकी दीवारों पर हर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का भाषण गूंजता है। ऐसे पवित्र स्थल के समीप हुआ यह धमाका सुरक्षा व्यवस्था के सबसे गहरे स्तरों तक प्रश्न खड़े करता है। सवाल यह है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद राजधानी के दिल में यह घटना कैसे घट गई? दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियों की निगरानी में लाल किला सबसे उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में शामिल है, जहां नियमित रूप से सीसीटीवी, ड्रोन और बीट पैट्रोलिंग की जाती है। फिर भी यदि इस स्तर का विस्फोट हो सकता है तो यह केवल तकनीकी विफलता नहीं बल्कि सुरक्षा मानसिकता की जड़ता का भी संकेत है। यह दशार्ता है कि हम अब भी उस सुरक्षित भ्रम में जी रहे हैं, जहां खतरे को हमेशा दूर मान लिया जाता है, जब तक कि वह हमारे दरवाजे पर दस्तक नहीं देता। इस धमाके की भयावहता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि इसकी गूंज बहुत दूर तक सुनाई दी और आसपास के वाहनों में आग फैल गई, फायर ब्रिगेड ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। दिल्ली में ऐसा धमाका करीब 13 वर्षों बाद हुआ है। फरवरी 2012 में इजराइली राजनयिकों को निशाना बनाकर हुए बम धमाके के बाद से राजधानी अपेक्षाकृत शांत रही थी। उससे पहले 7 सितंबर 2011 को दिल्ली हाईकोर्ट गेट नंबर-5 के पास हुए धमाके में 15 लोग मारे गए थे। 2008 के सिलसिलेवार धमाकों में तो दिल्ली का दिल ही दहल गया था, जब करोल बाग, कनॉट प्लेस और ग्रेटर कैलाश जैसे इलाकों में मौत और तबाही की कहानियां लिखी गई थी। उससे पहले 29 अक्तूबर 2005 को दीवाली से दो दिन पहले लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने पहाड़गंज, गोविंदपुरी और सरोजिनी नगर में एक साथ तीन धमाके किए थे, जिनमें 60 से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। यह लंबा इतिहास बताता है कि दिल्ली हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रही है क्योंकि यह न केवल सत्ता का केंद्र है बल्कि देश की आत्मा है। लाल किले के पास हुआ यह विस्फोट उस समय हुआ, जब फरीदाबाद में करीब तीन हजार किलो संदिग्ध विस्फोटक बरामद हुआ था। एक कश्मीरी डॉक्टर के किराए के मकान से 360 किलो विस्फोटक, हथियार और टाइमिंग डिवाइस बरामद किए गए थे। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें मेडिकल प्रोफैशनल्स और मौलवी भी शामिल बताए गए। इन दोनों घटनाओं के बीच कड़ियां जुडने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि कोई गहरी साजिश पनप रही थी, जिसे शायद पूरी तरह रोका नहीं जा सका। इस हादसे ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि क्या हमारी खुफिया प्रणाली में समय रहते चेतावनी देने की क्षमता घट रही है? क्या सूचनाओं का साझा तंत्र अब भी कागजी प्रक्रियाओं में उलझा हुआ है? सुरक्षा केवल हथियारों, बुलेटप्रूफ जैकेटों या बड़ी टीमों से नहीं आती, यह निरंतर सतर्कता, सामुदायिक सहयोग और त्वरित इंटेलिजेंस साझा करने से बनती है। यदि फरीदाबाद जैसी घटनाओं के बाद तत्काल सतर्कता बढ़ाई जाती और वाहन जांच प्रणाली में रैंडम सर्च बढ़ाई जाती तो शायद यह विस्फोट टल सकता था।

बिहार : चुनाव बाद सर्वेक्षण में राजग सरकार

- सुरेश हिन्दुस्तानी

बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। अब सभी राजनीतिक दलों को गुरुवार को होने वाली मतगणना की प्रतीक्षा है। मतदान के बाद जितने भी आंकलन हुए हैं, उनके अनुसार बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। हालांकि इन सर्वेक्षणों में कितनी सच्चाई है, यह दो दिन में पता चल जाएगा, लेकिन इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि सारे आंकलन केवल वातानुकूलित कमरों में बैठकर की गई कार्यवाही मात्र नहीं जा सकती। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से अभी भी यह दावा किया जा रहा है कि मतदान के बाद हुए सर्वेक्षण पूरी तरह से गलत हैं। यह सर्वेक्षण गलत हो भी सकते हैं, क्योंकि ऐसा पहले भी हो चुका है। पिछले लोकसभा चुनाव में यह मतदान बाद का सर्वेक्षण गलत साबित हो चुका है। इसलिए यह मानकर चलना ही चाहिए कि सर्वेक्षण गलत भी हो सकते हैं।

बिहार की राजनीतिक स्थिति का आंकलन किया जाए तो यह भी एक निहितार्थ निकलता है कि राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी को उनके अपनों ने ही अवरोधक बनने का पूरा प्रयास किया। दूसरी बड़ी बात यह है कि तेजस्वी विरासत के आधार पर नेता बने हैं। इसी विरासत पर उनके भाई तेजप्रताप भी दावा करते हुए अलग राह पर चले गए। यही राह तेजस्वी की रास्ते का सबसे बड़ा अवरोधक बनते दिखाई दे रही है। इसे कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि तेजप्रताप को खड़ा करने के लिए अंदर की राजनीति ही काम कर रही है। राजद में जो नेता तेजस्वी को नापसंद करते थे वे स्वाभाविक रूप से तेजप्रताप के पाले में खड़े हो गए। इसमें खास तथ्य यह भी है कि कई लोग खुलकर साथ थे तो कई राजनेता अंदर ही अंदर तेजस्वी की जड़ को काट रहे थे। दूसरी बात यह भी है कि तेजस्वी और तेजप्रताप के व्यवहार में भी जमीन आसमान का अंतर दिखाई देता है। बिहार के मतदाताओं में शायद यही संदेश गया होगा कि तेजस्वी ने तेजप्रताप के साथ अन्याय किया है। इसी अन्याय शब्द के माध्यम से अगर सहानुभूति पैदा हुई होगी तो उसका राजनीतिक लाभ तेजप्रताप को ही मिला होगा। राष्ट्रीय जनता दल की सबसे बड़ी कमजोरी यह भी मानी जा सकती है कि लोकतांत्रिक चुनाव में क्या केवल लालू प्रसाद यादव का परिवार ही राजद का उत्तराधिकारी हो सकता है। क्योंकि लालू यादव के दोनों ही पुत्र अपने आपको खानदानी विरासत का उत्तराधिकारी मानने का दावा कर रहे हैं। हम यह जानते ही होंगे कि दो की लड़ाई में हमेशा तीसरे का ही फायदा होता है। इसलिए यह भी कहा जा सकता है कि राजद नेताओं की आपसी लड़ाई का लाभ भी दूसरे राजनीतिक दलों को ही हुआ होगा। इसलिए चुनाव बाद के सर्वेक्षण में जो दिखाया गया है, वह इसलिए भी सही साबित हो सकता है, क्योंकि विपक्ष के वोट विभाजित हो गए। सर्वेक्षण राजग को बहुमत देने का आंकलन केवल एक संस्था का नहीं है, यह लगभग सभी में ही दिखाया गया है। मतगणना के बाद अगर सर्वेक्षण वाली तस्वीर ही बनती है तो स्वाभाविक रूप से बिहार की राजनीति में फिर से भूचाल आएगा। आपस में ही आरोप लगाने की राजनीति शुरू होगी। हार का ठीकरा फोड़ने की कवायद भी होगी। इसके अलावा यह भी हो सकता है कि इसका ठीकरा हर बार की तरह ईवीएम पर फोड़ा जाए। इसके अलावा विपक्ष के पास वोट चोरी का मुद्दा तो पहले से ही तैयार है।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है। क्षमता के कारण आज आपको लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला सोच-समझकर किए गए प्रयासों के बावजूद नुकसान की संभावना बनी रह सकती है।

वृषभ संतान पक्ष से शुभ समाचार प्राप्त होगा। पहले माता-पिता का आशीर्वाद अवश्य ले लें।

वृश्चिक लाभ मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

मिथुन कोई मुकदमा या कानूनी विवाद आपके लिए थोड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है।

धनु दिन भक्ति से पूर्ण रहेगा। आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति और नई बुद्धिमत्ताओं का विकास होगा।

कर्क दिन खुशियां लेकर आ रहा है। लंबे समय से अटका प्रमोशन आज आपको प्राप्त हो सकता है।

मकर आज आपकी शारीरिक ऊर्जा और उत्साह अधिक रहेगा। कुछ अनावश्यक खर्चे हो सकते हैं।

सिंह नौकरीपेशा लोगों को अधिकारों में वृद्धि और आर्थिक लाभ का अनुभव होगा।

कुंभ सोच-समझकर कार्य करना चाहिए। जल्दबाजी में किए गए कार्य से हानि हो सकती है।

कन्या आज का दिन अधिक खर्च होने वाला है। अपनी शान-शौकत के लिए धन खर्च कर सकते हैं।

मीन स्वास्थ्य की तरफ ध्यान देना होगा। पाचन संबंधी परेशानियां और पेट में वायु विकार हो सकते हैं।

विशेष

वेज थाली 17 फीसदी सस्ती

सरकार आंकड़ों के आधार पर महंगाई को नियंत्रित करती है। कागजों पर आंकड़ों के आधार पर रोजगार और नौकरी दे दी जाती है। वर्तमान सरकार ने पिछले 11 वर्षों के शासनकाल में आंकड़ों के जरिए सारी चीजों पर नियंत्रण करने की जो नई कला भारत के नागरिकों को दिखाई है। वह सभी को चमकृत कर रही है। सरकार ने दावा किया है, घरेलू वेज थली अक्टूबर माह में 17 फीसदी सस्ती हो गई है। आलू प्याज और टमाटर के दाम घट गए हैं। आम आदमी को इसका लाभ मिल नहीं रहा है। आलू प्याज टमाटर के दाम थोड़े सस्ते हुए हैं। तो दूसरी चीजों के रेट काफी बढ़ गए हैं। ऐसा ही सरकार ने जीएसटी के मामले में दावा किया था। वह दावा कागजों में ही रह गया।

संविधान बदलने में पाक आगे

पाकिस्तान की संसद में संविधान में बदलाव कर दिया है। आर्मी की आसीम मुनीर को तीनों सेना का प्रमुख बनाने के लिए संविधान में यह बदलाव किया है। यही कहा जा सकता है। पाकिस्तान इस मामले में भारत से आगे निकल गया है। पाकिस्तान में राष्ट्रपति अब प्रधानमंत्री की सलाह पर आर्मी चीफ और चीफ ऑफ डिफेंस की नियुक्ति करेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की सेना ने जो बदलाव किया है। उसके अनुसार अब असीम मुनीर को पाकिस्तान में फील्ड मार्शल का दर्जा दिया गया है। इसके पहले पाकिस्तान के तानाशाह अयूब खान ने खुद को फील्ड मार्शल घोषित किया था। अब संसद ने फील्ड मार्शल को संवैधानिक दर्जा दिया है। पाकिस्तान में साबित कर दिया है कि वहाँ सेना ही हमेशा ताकतवर होती है। सेना जो चाहती है, वह करा लेती है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1553: लेडी जेन ग्रे और अन्यों के खिलाफ इंग्लैंड में राजद्रोह का मुकदमा शुरू हुआ। 1780: पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह का जन्म। 1850: स्काटिश लेखक राबर्ट लुआ स्टीवेंसन का जन्म। 1913: यूनान और तुर्की के बीच शांति संधि हुई। 1918: आस्ट्रिया गणराज्य बना। 1942: ब्रिटिश फौजों ने तोबरक पर पुनः कब्जा किया। 1945: सुकर्णो इंडोनेशिया के राष्ट्रपति बने । 1950: तिब्बत ने चीनी आक्रमण के खिलाफ राष्ट्र संघ में अपील की। 1961: कांगो सरकार ने कटांगा प्रांत में कानून और व्यवस्था बनाए रखने की अपील राष्ट्र संघ से की। 1968: पाकिस्तान में जुल्फीकार अली भुट्टो गिरफ्तार किए गए । 1975: विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एशिया के चेचक से मुक्त होने की घोषणा की। 1977 :सोमालिया ने सोवियत सलाहकारों को अपने यहाँ से निकाल दिया।

दैनिक पंचांग

13 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.31 ब.से
चंद्र	सिंह में	धनु	08.47 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.53 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.39 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.12 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.42 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.22 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.21 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.34 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	सिंह	23.50 बजे से
		कन्या	02.02 बजे से
		तुला	04.13 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 317 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी 23.35 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 19.38 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 06.58 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 11.11 बजे तदनन्तर गर 23.35 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 58'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872527
जूलियन दिन 2460992.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 21

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

जमशेदपुर, एजेंसी। गोविंदपुर थानांतर्गत गदड़ा रेलवे लाइन के पास एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है। मृतक की पहचान सागर कैवर्त (24) के रूप में हुई है। सागर दयाल सिटी बस्ती का रहने वाला था। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर उसे पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। घटना मंगलवार सुबह की है। पुलिस ने बताया कि घटना सुबह करीब छह बजे की है। सागर के परिवार के लोगों ने बताया कि सागर मानसिक रूप से बीमार था। वह बिना किसी को कुछ बताये ही घर से निकल गया था। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों से घटना के बारे में पूछताछ की है। पुलिस इस मामले को आत्महत्या बता रही है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की सही जानकारी मिल पायेगी।

नाइट पेट्रोलिंग में ट्रैक पर गिरने से ट्रैक मेंटेनर जख्मी

जमशेदपुर, एजेंसी। आदित्यपुर पीडब्ल्यूआइ के अधीन रात में पेट्रोलिंग कर रहे डीटीएम-3 स्टाफ ट्रैक मेंटेनर कृष्ण चंद्र महतो गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे टाटा रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि सोमवार रात करीब दो बजे ट्रैक मेंटेनर कृष्ण चंद्र महतो ट्रैक पर पेट्रोलिंग कर रहा था। इस दौरान उसका पैर बॉडिंग पत्ती में फंस गया। इससे वह रेलवे ट्रैक पर गिर गया। इससे उसके चेहरे व सिर में गंभीर चोट लगी है। चक्रधरपुर रेल मंडल में सुरक्षित रेल परिचालन व संरक्षा के लिए नाइट कोल्ड वेदर पेट्रोलिंग शुरू हो गयी है। रेल मंडल के विभिन्न रेलखंडों में नाइट कोल्ड वेदर पेट्रोलिंग की जा रही है। रेलवे ने ट्रैक व ट्रेन की सुरक्षा के लिए ट्रैक मेंटेनरों को रात में पेट्रोलिंग करने का निर्देश दिया है। इसे लेकर रेलकर्मियों ने नाइट पेट्रोलिंग शुरू कर दी है। ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन दक्षिण पूर्व रेलवे के जोनल अध्यक्ष सियाराम कुमार ने पेट्रोलिंग मैन को ड्यूटी के दौरान अपनी सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का अनुरोध किया है।

मनरेगा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हुए सम्मानित

गोविंदपुर, एजेंसी। गोविंदपुर प्रखंड कार्यालय में मंगलवार को झारखंड स्थापना रजत जयंती समारोह मनाया गया। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करनेवाले मनरेगा कर्मियों, अभियंताओं एवं लाभुकों को सम्मानित किया गया। प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में बीडीओ जहीर आलम ने प्रखंड से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। सीओ धर्मेंद्र कुमार दुबे ने कहा कि 25 वर्षों में झारखंड की लगातार प्रगति हुई है। मनरेगा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सहायक अभियंता अरुण कुमार सिंह, जेइ पप्पू मंडल एवं प्रकाश कुमार, बीपीओ जितेंद्र कुमार, रोजगार सेवक विनोद मिश्रा, दीपक कुमार एवं अजीत महतो, पंचायत सचिव राम नरेश महतो एवं प्रीति गुप्ता, बीपीआरओ सूदन चंद्र राणा, कंप्यूटर ऑपरेटर धर्मेंद्र कुमार महतो, लाभुक बासु महतो, उत्तम गोराई,,बुधराम मांझी, एक-एक सौ दिन काम करने वाले मनरेगा जॉब कार्डधारी सुशील हेंब्रम एवं सुखलाल टुडू तथा अनुसेवक रवि हरि को प्रशस्ति पत्र व शॉल देकर सम्मानित किया गया। मौके पर पूर्व उप प्रमुख डीएन सिंह, सांसद प्रतिनिधि सुबोध सिंह, संतोष महतो, प्रधान सहायक अब्दुल मजीद, बीपीओ संतोष कुमार मोहली, समन्वयक श्वेता कुमारी, शत्रुघ्न साव, आसिफ अंसारी, कलीम अंसारी, अख्तर अंसारी, दारा महतो समेत सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवक आदि थे।

ग्लोबल मंच पर आइआइटी आइएसएम के छात्रों का दबदबा

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम धनबाद ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर देश का गौरव बढ़ाया है। संस्थान की टीम 'एनर्जी इक्वेशन' ने स्विच एनर्जी एलायंस (एसइए) केस प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्लोबल विनर का खिताब अपने नाम किया है। इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन स्विच एनर्जी एलायंस नामक गैर-लाभकारी संस्था द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य ऊर्जा साक्षरता और सतत विकास के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के 27 देशों की 295 टीमों ने भाग लिया। गहन मूल्यांकन के बाद केवल 20 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं और पांच टीमों ने ग्लोबल फाइनल में स्थान बनाया। अंतिम चरण में लाइव प्रस्तुति और ऊर्जा विशेषज्ञों के समक्ष सवाल-जवाब के बाद आइआइटी आइएसएम धनबाद की टीम ने अपनी उत्कृष्ट विश्लेषण क्षमता और नवोन्मेषी सोच से पहला स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को 10000 डॉलर (लगभग 8।3 लाख रुपये) का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस टीम में सर्वेश भाटिया (बीटेक अंतिम वर्ष, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग), अनंत सागर (बीटेक अंतिम वर्ष, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग), श्रुति प्रिया (बीटेक अंतिम वर्ष, मिनरल एवं मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग) और सेजल कुमारी (बीटेक अंतिम वर्ष, सिविल इंजीनियरिंग) शामिल हैं। आइआइटी आइएसएम के छात्रों ने वास्तविक ऊर्जा समस्याओं का गहन विश्लेषण करते हुए ऊर्जा गरीबी खत्म करने और सतत समाधान को बढ़ावा देने के लिए दस वर्षीय व्यवहारिक योजना प्रस्तुत की।

रांची जेल के असिस्टेंट जेलर का 5वें दिन ट्रांसफर

जेल से वायरल था डांस वीडियो, उठे सवाल- तबादला करा लिया या उन पर भी दबाव

रांची, एजेंसी। होटवार स्थित बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल में शराब व जीएसटी घोटाले के आरोपियों की डांस पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद जांच की आंच फिर नए असिस्टेंट जेलर तक पहुंची है। इस बार जेल प्रशासन ने 5 दिन पहले ही असिस्टेंट जेलर के पद पर आसीन हुए दिनेश प्रसाद वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की है। दिनेश प्रसाद वर्मा को अब होटवार जेल से हटाकर धनबाद जेल भेज दिया गया है। वहीं गुमला मंडल कारा में तैनात लवकुश कुमार की होटवार जेल में असिस्टेंट जेलर के रूप में पोस्टिंग की गई है। इससे संबंधित आदेश जेल आईजी सुदर्शन प्रसाद मंडल ने सोमवार को ही जारी कर दिया है।

जिसमें कहा गया है कि होटवार जेल के सहायक जेलर दिनेश प्रसाद वर्मा द्वारा समर्पित स्थानांतरण संबंधी अभ्यावेदन पर विचार करने के बाद कार्यहित में तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक नव पदस्थापित कारा में स्थानांतरित किया जाता है। सवाल उठता है कि क्या असिस्टेंट जेलर के पद पर 5 दिन पहले ही आए दिनेश प्रसाद वर्मा ने स्वेच्छा से अपना तबादला करा लिया या उन पर भी कोई दबाव था।

मालूम हो कि पिछले 5 नवंबर को कैदियों का डांस करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद असिस्टेंट जेलर देवनाथ राम और जमादार विनोद कुमार यादव को सस्पेंड कर दिया गया था। दिनेश वर्मा को

असिस्टेंट जेलर बनाया गया था, लेकिन 5 दिन बाद उन्हें भी हटा दिया गया।

कैंटीन चलाकर वसूली कर रहा कैदी : होटवार जेल में बंद एनआईए बंदी प्रभु साहू पर अवैध रूप से कैंटीन का संचालन करने का आरोप लगा है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश प्रभारी राजेश सिंह ने गंभीर आरोप लगाते हुए जेल आईजी से लिखित शिकायत की है। पत्र में राजेश सिंह ने कहा है कि कैंटीन से कैदियों को प्याज 150 रुपए प्रति किलो और टमाटर 100 रुपए किलो मिलता है। कैदी को एक महीने खाना उपलब्ध कराने के लिए 7000 रुपए लिए जा रहे हैं।

इसके अलावा कैदियों का मानसिक व आर्थिक रूप से शोषण किया जा रहा है। कैदी को कैंटीन से खाना लेने के लिए बंदी प्रभु साहू मजबूर करता है। टेंपो में सामान लोड कर कैंटीन में मंगाया जाता है, जिसमें बंदी प्रभु साहू मोबाइल भी मंगाता है। वही मोबाइल कैदियों को उपलब्ध कराया जाता है, जिसके एवज में वह मोटी रकम वसूल रहा है। इसके अलावा राजेश सिंह ने अन्य कई आरोप भी लगाए हैं।

5 दिनों में दो असिस्टेंट जेलर पर कार्रवाई : बिरसा मुंडा होटवार जेल में 5 दिनों के अंदर दो असिस्टेंट जेलर व एक जमादार के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इससे कुछ दिनों पहले भी दो क्लर्क व दो कक्षपाल समेत सात जेलकर्मियों के खिलाफ जेल प्रशासन ने कार्रवाई की थी।

लगातार हो रही कार्रवाई के बाद अब जेल में ड्यूटी करने वाले कर्मी भी परेशान हैं। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक जेलकर्मी ने बताया कि ईमानदारी से ड्यूटी करने वाले सभी कर्मी परेशान हैं। कड़ाई करते हैं तो ट्रांसफर का डर सताने लगता है और छूट देते हैं तो आरोप लगा कर कार्रवाई की जाती है। ऐसे में कैसे ड्यूटी करें, समझ में नहीं आ रहा।

कहीं कड़ी कार्रवाई करना ही तबादले का कारण तो नहीं... तत्कालीन असिस्टेंट जेलर देवनाथ राम के सस्पेंड होते ही दिनेश वर्मा ने होटवार में योगदान दिया। उन्होंने सबसे पहले वीडियो में दिख रहे कैदी को सेल में बंद किया। वीवीआईपी सुविधा ले रहे अन्य कैदियों को भी सामान्य वार्ड में ट्रांसफर कर दिया। जेल में संचालित होने वाले कैंटीन पर भी नकेल कसना शुरू कर दिया। इससे पूरे जेल परिसर में हड़कंप मच गया। पैसे के बल पर जेल में ऐश करने वाले कैदी परेशान हो गए। क्या इसी कारण दिनेश वर्मा को होटवार जेल से हटाकर धनबाद भेज दिया गया।

चाईबासा में ब्राउन शुगर तस्कर गिरफ्तार

चाईबासा, एजेंसी। चाईबासा पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। सदर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध ब्राउन शुगर की बिक्री के आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसपी अमित रेणु को सदर थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए एसपी ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर चाईबासा के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया।

मनीष कुमार खिरवाल 30 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार

टीम ने आमलाटोला रेलवे अंडरपास के पास बंद रेलवे केबिन में छापेमारी की। इस दौरान मधुबाजार, सदर थाना, चाईबासा निवासी मनीष कुमार खिरवाल (31) को 30 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ मौके से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी मनीष खिरवाल ने बताया कि वह आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती निवासी फिरदौस अंसारी से ब्राउन शुगर लेकर बेचता था। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस मुख्य सप्लायर फिरदौस अंसारी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान जारी रखे हुए है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मनीष कुमार खिरवाल पहले भी नशे के कारोबार में जेल जा चुका है। उसके खिलाफ पूर्व में भी कई गंभीर मामले दर्ज है।

लुटेरों ने सुरक्षाकर्मियों को बंधक बनाकर पीटा, लूट ले गए 40 फीट केबल और कंप्यूटर

निरसा (धनबाद), एजेंसी। ईसीएल मुगमा क्षेत्र की बैजना 29 नंबर कोलियरी में मंगलवार की रात्रि कार्यरत दो सुरक्षाकर्मियों मृत्युंजय मंडल एवं सुखदेव भुइंया की पिटाई कर उन्हें बंधक बनाकर लुटेरों ने लगभग 40 फीट केबल एवं फिटर घर में रखा कंप्यूटर स्क्रीन, यूपीएस इत्यादि लेकर चलते बने।

घटना के विरोध में बुधवार की सुबह से मजदूर संयुक्त मोर्चा के बैनर तले सुरक्षा की मांग को लेकर बैजना 31 नंबर कोलियरी का उत्पादन ठप कर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि कोलियरी के अभिकर्ता मजदूरों को समझने का प्रयास कर रहे हैं परंतु, समाचार लिखे जाने तक मजदूरों का आंदोलन जारी था।

बंधक बने सुरक्षाकर्मी मृत्युंजय मंडल एवं सुखदेव भुइंया ने बताया कि मंगलवार की अल सुबह लगभग

2.45 बजे 25- 30 की संख्या में लुटेरों के दल ने धावा बोला। हम दोनों खदान के सीधी घर के पास थे। लुटेरे आकर हम दोनों की पहले तो हरदम पिटाई करने लगे उसके बाद बत्ती घर में बंद कर दिया।

इस दौरान केबल लुटेरों ने मृत्युंजय मंडल के कनपटी पर पिस्टल सटा दिया तथा उसका मोबाइल भी छीन लिया। इसके बाद लुटेरे ट्रांसफार्मर में आए 11 हजार बिजली का केबल एवं ट्रांसफार्मर से स्विच रूम तक गए केबल को काट लिया। साथ ही फिटर रूम का ताला तोड़कर उसमें रखा कंप्यूटर का स्क्रीन, यूपीएस इत्यादि भी लूट ले गए। लुटेरों की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच थी। सभी ने अपने चेहरे को गमछे एवं रुमाल से ढक रखा था। आपस में हिंदी, बांग्ला एवं खोरठा में बातचीत कर रहे थे। सभी हरवे हथियार से लैस थे। रात्रि लगभग 3:30 क्षेत्रीय गश्ती दल पहुंचा तो उन्होंने हम दोनों को बंधन मुक्त किया।

वहीं सुबह जब प्रथम पाली में काम करने मजदूर आए तो उन्हें मामले की जानकारी मिली तो मजदूर आकर्षित हो गए ट्रेड यूनियन के संयुक्त मोर्चा के बैनर तले सुरक्षा की मांग को लेकर कोलियरी का उत्पादन ठप कर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

सुबह आए मजदूरों ने बताया कि केवल लुटेरे बत्ती घर से एक कैप लैम्प भी लूट ले गए वहीं एक कैंप लैम्प को बाहर फेंक दिया। मजदूरों का आरोप है कि 29 नवंबर के बगल में सीआईएसएफ कैंप है। बराबर कोलियरी में चोरी एवं लूट की घटना को अपराधी अंजाम दे रहे हैं। परंतु बगल में कैंप रहने के बावजूद सीआईएसएफ के जवान ना तो बाहर निकलते हैं और ना ही लूट एवं चोरी रोकने की दिशा में कोई भी कारगर कदम नहीं उठा रही।

ट्रेनों के कोच अटेंडेंट और सफाई कर्मियों का पुलिस वेरिफिकेशन जरूरी, रेलवे बोर्ड ने जारी किया आदेश

धनबाद, एजेंसी। ट्रेनों में संविदा पर कोच अटेंडेंट, बेड रोल वितरक और सफाई का काम करने वाले ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (ओबीएचएस) कर्मियों को अब पुलिस वेरिफिकेशन के बगैर काम करने की अनुमति नहीं मिलेगी। यात्रियों को सफर के दौरान सुविधाओं के साथ सुरक्षा प्रदान करने के लिए इसे अनिवार्य कर दिया है।

रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक इंवायरमेंट एंड हाउसकीपिंग मैनेजमेंट सतीश सिंह ने सभी जोनल रेलवे को इससे जुड़ा आदेश जारी कर दिया है।

बोर्ड से जारी पत्र में कहा गया है कि ओबीएचएस, लिनेन और कोच अटेंडेंट जैसे सभी आनबोर्ड कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कार्य पूरा करें और सीएमएम पोर्टल पर डेटा अपडेट सुनिश्चित करें। अनुपालन रिपोर्ट 20 नवंबर तक संबंधित कार्यालय में सकारात्मक रूप से प्रस्तुत की जाए।

हाल में एक ट्रेन में हुई घटना को देखते हुए यह सुनिश्चित करना और भी जरूरी हो गया है कि सभी आन-बोर्ड संविदा कर्मचारियों का व्यापक पुलिस सत्यापन पूरा हो और उसे तुरंत सीएमएम

पोर्टल पर अपडेट किया जाए।

क्षेत्रीय रेलवे को स्थिति की जांच करने, लंबित मामलों की पहचान करने और सुरक्षा प्रोटोकाल का पालन सुनिश्चित करने के लिए सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लाने का भी निर्देश दिया गया है।

यात्रियों को निरंतर आन-बोर्ड सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय रेल सेवाओं के सुरक्षित और प्रभावी वितरण के लिए पेशेवर एजेंसियों की सेवाएं लेती है। इसी उद्देश्य से एसी कोच अटेंडेंट, ओबीएचएस कर्मचारी जैसे संविदा कर्मचारी ट्रेनों में यात्रा करते हैं।

यात्रियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए ऐसे संविदा कर्मचारियों की उचित पृष्ठभूमि की जांच और पुलिस सत्यापन अत्यंत आवश्यक है।

ऐसे कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन सुनिश्चित करने और उनकी कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए सीएमएम पोर्टल पर उनका डाटा अपलोड करने के निर्देश समय-समय पर जारी किए गए हैं।

चार ट्रकों में लदे चावल को सुरक्षित रखने की तैयारी शुरू

जमशेदपुर, एजेंसी। गम्हरिया प्रखंड में अनाज रखने की कोई व्यवस्था किये बिना ही नवंबर माह का अनाज भेजे जाने से चार ट्रकों को प्रखंड परिसर में ही खड़ा कर दिया गया है। इसके तहत पुराने गोदाम को ही दुरुस्त किया जा रहा है, जहां उक्त चावल को सुरक्षित रखा जा सके। विदित हो कि 28 अक्तूबर को गम्हरिया प्रखंड परिसर स्थित चावल गोदाम में आग लगने के बाद गोदाम को सील कर दिया गया है। इसी बीच विभाग द्वारा गम्हरिया प्रखंड को नवंबर माह का चार ट्रक अनाज भेज दिया गया है। वहीं प्रखंड में अनाज रखने को लेकर कोई व्यवस्था नहीं होने की वजह से अनाजों को फिलहाल ट्रक पर छोड़ दिया गया है। प्रखंड परिसर में लाखों का अनाज रखे जाने के बाद भी सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की गयी है।

गम्हरिया प्रखंड मुख्यालय, अनाज गोदाम समेत परिसर में स्थित कार्यालयों की सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं है। इसका खामियाजा आये दिन कर्मियों को भुगतना पड़ता है। इसके अलावा गोदाम में भी अगलगी से निपटने को लेकर कोई उपकरण नहीं रखा जाता था। इसकी वजह से उक्त घटना घटित हुई है। लोगों के अनुसार अगर गोदाम में आग से निपटने के लिए किसी प्रकार की व्यवस्था होती तो शायद उक्त घटना में इतना नुकसान नहीं होता। वहीं प्रखंड परिसर में भी किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने की वजह से प्रखंड के क्वार्टर व अन्य जगहों पर छोटी-छोटी चोरी की घटना भी घटित होती रहती है। इससे कर्मियों में भय का माहौल बना रहता है।

सूत्रों के अनुसार घटना पूरी तरह से सुनियोजित थी। आरोप है कि जांच व अगलगी की घटना को मैनेज करने की भी पूरी तैयारी कर ली गयी थी। घटना के एक दिन पहले ही अधिकांश अनाज को ठिकाना लगा दिया गया था। उससे अर्जित राशि से जांच टीम व अगलगी की घटना को मैनेज करने की योजना थी। करीब पांच सौ एमटी क्षमता वाले उक्त गोदाम से गम्हरिया प्रखंड व आदित्यपुर नगर निगम के करीब दो सौ पीडीएस दुकानों के अलावा चांडिल प्रखंड के भी कुछ दुकानों को अनाज भेजा जाता है। गोदाम में आग लगने से संबंधित दुकानों को अनाज पहुंच पाना मुश्किल हो गया है। इसका खामियाजा कार्डधारियों को भुगतना पड़ेगा। हालांकि अगलगी की घटना में कितनी मात्रा में अनाज की क्षति हुई है। इसका आकलन घटना के करीब 15 दिन बाद भी नहीं किया जा सका है, जो लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। अगलगी की घटना के साथ-साथ गोदाम से चावल की हेराफेरी में शामिल रहने वाले अन्य संदिग्धों की भी तलाश प्रशासन ने शुरू कर दी है। इससे संदिग्धों में भी हड़कंप मच गया है। सूत्रों के अनुसार गरीबों के अनाजों की कालाबाजारी करने को लेकर एक बड़ा गिरोह सक्रिय था।

महिला वॉशरूम से 6 फीट लंबे सांप का रेस्क्यू

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के चास स्थित चास कॉलेज में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब महिला स्टाफ के वॉशरूम से लगभग 6 फीट लंबा धामिन सांप पकड़ा गया। यह घटना दोपहर के भोजन के समय हुई। कॉलेज की एक महिला कर्मचारी जब वॉशरूम में गईं, तो उन्हें अंदर कुछ हलचल महसूस हुई। करीब से देखने पर उन्होंने एक बड़ा धामिन सांप देखा, जिससे वे भयभीत हो गईं।

महिला कर्मचारी की चीख सुनकर पूरे कॉलेज परिसर में अफरातफरी मच गई। छात्रों और स्टाफ ने तुरंत कॉलेज प्रशासन को इसकी सूचना दी। कुछ कर्मचारियों ने साहस दिखाते हुए सांप को वॉशरूम से बाहर निकालने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों की सहायता से काफी मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित रूप से पकड़ा गया और कॉलेज परिसर से दूर जंगल में छोड़ दिया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पीसी ठाकुर ने बताया कि परिसर में नियमित रूप से सफाई और निरीक्षण का कार्य किया जाता है, लेकिन यह घटना चिंताजनक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में वॉशरूम और आसपास के क्षेत्रों की विशेष निगरानी की जाएगी ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सांप विशेषज्ञों के अनुसार, धामिन सांप विषहीन होता है और मुख्य रूप से चूहों का शिकार करता है। हालांकि, इसके बड़े आकार के कारण लोग अक्सर डर जाते हैं। इस घटना के कारण कॉलेज में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल रहा, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

सोनारी एयरपोर्ट के रनवे विस्तारीकरण क्षेत्र से चर्च बाहर, मैदान का नहीं घटेगा आकार

जमशेदपुर, एजेंसी। सोनारी विमानतल (एयरपोर्ट) के विस्तारीकरण को लेकर उपजी जनभावनाओं और भ्रम की स्थिति को दूर करने के लिए मंगलवार को विधायक सरयू राय ने टाटा स्टील लैंड डिपार्टमेंट और टीयूआइएसएल के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान एयरपोर्ट विस्तार से प्रभावित क्षेत्र, विशेष रूप से सोनारी छोर, चर्च परिसर, मैदान और सड़क मार्ग से जुड़ी चिंताओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

विधायक राय ने बताया कि उन्होंने सोमवार को एयरपोर्ट के सोनारी और कदमा हिस्से का स्थल निरीक्षण किया था। वहां स्थानीय लोगों के बीच यह आशंका बनी हुई थी कि सोनारी छोर की ओर रनवे बढ़ाने से चर्च, उसके समीप का मैदान और सोनारी से सर्किट हाउस होकर बिष्टुपुर जाने वाली सड़क प्रभावित हो जायेगी। लोगों में यह भ्रम तब गहरा गया, जब टाटा स्टील प्रबंधन की ओर से लाल रंग की लकीरें खींच दी गईं, जिससे यह संदेश गया कि विस्तार के दायरे में धार्मिक स्थल और मैदान दोनों आ सकते हैं।

इस पर विधायक सरयू राय ने जनता की भावना को ध्यान में रखते हुए टाटा स्टील और टीयूआइएसएल प्रबंधन को स्पष्ट कहा कि विस्तारीकरण ऐसा होना

चाहिए जिससे जनहित और धार्मिक स्थलों को कोई क्षति न पहुंचे। उन्होंने बताया कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने साफ चेतावनी दी है कि यदि सोनारी छोर की तरफ रनवे नहीं बढ़ाया गया, तो एयरपोर्ट का लाइसेंस रद्द कर दिया जायेगा। लाइसेंस रद्द होने की स्थिति में यहां से कोई भी विमान उड़ान नहीं भर सकेगा।

डीजीसीए के नियमों और चेतावनी को देखते हुए विधायक राय ने संतुलित समाधान का सुझाव दिया- ऐसा उपाय जिससे डीजीसीए की अपेक्षाओं के अनुसार रनवे का विस्तार भी हो और साथ ही धार्मिक स्थल, मैदान और सड़क यातायात पर न्यूनतम असर पड़े। इसके आधार पर टाटा स्टील और टीयूआइएसएल ने संशोधित रनवे विस्तार योजना (डिज़ाइन) प्रस्तुत की। संशोधित योजना के अनुसार, रनवे की लंबाई डीजीसीए के न्यूनतम मानक के अनुसार रखी गयी है। सोनारी से सर्किट हाउस-बिष्टुपुर जाने वाली सड़क को बंद नहीं किया जायेगा, बल्कि उसे बहुत हल्का मोड़ (कर्व) दिया जायेगा, ताकि यातायात सुचारू बना रहे। चर्च को पूरी तरह विस्तार क्षेत्र से बाहर रखा गया है। वहीं, मैदान का केवल एक चौथाई से भी कम हिस्सा रनवे विस्तार में शामिल होगा। जिस हिस्से में रनवे बढ़ेगा, उसके बराबर का क्षेत्र बायीं ओर की खाली जमीन जोड़कर मैदान को पुनः संतुलित आकार दिया जायेगा।

टाटा स्टील प्रबंधन ने आश्वासन दिया कि मैदान का कुल क्षेत्रफल पहले जितना था, उतना ही आगे भी रहेगा। यह मैदान एक सार्वजनिक उपयोग का मैदान रहेगा, जहां सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकेगा। इन आयोजनों के लिए उपायुक्त और टाटा स्टील की सहमति आवश्यक होगी।

विधायक सरयू राय ने बताया कि वार्ता के बाद हुए संशोधनों की जानकारी उन्होंने अपने सोनारी क्षेत्र के सहयोगियों और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदीप कुमार बलमुचू को दी। उन्होंने टाटा स्टील अधिकारियों से भी आग्रह किया कि वे श्री बलमुचू को भी पूरी जानकारी दें, ताकि क्षेत्र में बनी भ्रांतियों का निवारण हो सके।

आत्मविश्वास को दर्शाता है गैरजरूरी चीजों को मना करना

ज्यादातर लोग मानते हैं कि अगर वे ऑफिस में किसी काम को 'ना' कहेंगे, तो उनकी इमेज खराब होगी। इस डर से लोग उन कामों को भी मना नहीं करते,जो उनकी जॉब प्रोफाइल का हिस्सा नहीं होते। मगर ठोस कारण के साथ गैरजरूरी चीजों को मना करना आपके आत्मविश्वास को दर्शाता है।

प्रभाव को आंकें

जब भी आपके मन में किसी काम को 'ना' कहने की बात आए, तो सबसे पहले खुद से पूछें कि आपके मना करने से सबसे बुरा प्रभाव क्या होगा फिर अपने वर्कलोड को देखते हुए ही कोई निर्णय लें। पहले सुनें अगर आप अपने बॉस की किसी बात से असहमत हैं, तो अपना नजरिया रखने से पहले उनकी बात पूरी सुनें और सोचें कि आपके दीर्घावधि करियर प्लान में इससे कुछ फायदा होगा या नहीं। अगर नहीं, तो उनके सामने सम्मान पूर्वक अपनी बात रखें। अगर आपने उनके आइडिया को ध्यान में रखते हुए अपनी बात कही, तो वे आपकी बात जरूर सुनेंगे।

गलतफहमियों से बचें

आपको जो भी टास्क दिया जा रहा है, उससे आपके प्रोजेक्ट पर क्या असर पड़ेगा, अपने सीनियर्स को यह समझाने की कोशिश करें और हो सके,तो अपने फैक्ट्स शेयर करें। इससे गलतफहमियां नहीं होंगीं और आपको अतिरिक्त काम के दबाव से भी छुटकारा मिलेगा।

भारी पड़ती आदत

अक्सर लोग नई जॉब में हर काम को अपने हाथ में ले लेते हैं, ताकि अपने बॉस को खुश कर सकें। मगर उनकी यही आदत बाद में उन पर भारी पड़ जाती है। इसलिए शुरू से ही एक सीमा तय करें, ताकि कोई भी सीनियर आपका फायदा न उठा सके।

टाइमिंग देखें

किसी भी काम के लिए हामी भरने या उसे मना करने की टाइमिंग बहुत मायने रखती है। ऐसे में अगर ऑफिस में आपकी नकारात्मक इमेज बनाई जा रही है, तो किसी भी काम को मना करने से बचें। ऐसे वक्त में ज्यादा से ज्यादा परफॉर्म करने की कोशिश करें।

समाजशास्त्र समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है।

समाजशास्त्र में हैं अवसरों की अपार संभावनाएं

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग-अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जनसंपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों में समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधे समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण बल्कि अत्यंत रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है।

अवसरों के अंबार

समाज शास्त्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। शिक्षा और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने के अलावा आप प्रशासनिक सेवा, मीडिया और कारपोरेट घरानों में भी अपने लिए नौकरी तलाश सकते हैं। सोशल साइंस के विभिन्न विषयों में जॉब अवसर हाल के दिनों में सबसे ज्यादा बढ़े हैं। एमए के बाद प्रशासनिक सेवा और रिसर्च इंस्टीट्यूट में प्रवेश पाने के लिए सोशल साइंस सबसे बेहतर विषय है। मीडिया में भी इस विषय के जानकारों की काफी मांग है क्योंकि वे समाज और उससे जुड़ी घटनाओं को दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से समझ पाते हैं और इन विषयों पर अपना पक्ष रखते हुए दर्शकों और पाठकों को उसके अनछुए पहलुओं से भी रू-ब-रू करवा पाते हैं। समाजशास्त्र के छात्र एनजीओ के साथ भी काम कर सकते हैं। साथ ही वे समाज से जुड़े अन्य विषयों जैसे पर्यावरण, लिंगभेद आदि पर भी काम कर सकते हैं। इसके अलावा अध्यापन के क्षेत्र में भी काफी अच्छे अवसर हैं।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना अनिवार्य है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

वेतनमान

समाजशास्त्र के क्षेत्र में वेतन इस बात पर निर्भर करता है कि आप ने सरकारी क्षेत्र में ज्वाइन किया है या निजी क्षेत्र में। आप अपने देश में ही रोजगार पर लगे हैं या फिर विदेश में किसी एनजीओ के साथ कार्यरत हैं। इस फील्ड में आरंभिक वेतन लगभग 15000 से 20000 हजार तक है। कार्य अनुभव और पद के अनुसार वेतन बढ़ता जाता है।

विभिन्न कोर्सेज

- अप्लाइड सोशोलॉजी
- सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
- इकॉनोमिक सोशोलॉजी
- पोलिटिकल सोशोलॉजी
- सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास करना।
- सामाजिक विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास करना।

विदेशों में भी अवसर

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के बाद रोजगार की संभावनाएं काफी होती हैं। ये अवसर अपने देश में भी हैं, पर विदेशों में भी समाजशास्त्र विशेषज्ञों की काफी मांग है। यूनिसेफ और रेडक्रॉस जैसी संस्थाएं समाजशास्त्र के विशेषज्ञों को काफी अच्छे पैकेज पर अवसर उपलब्ध करवाती हैं। यानी कि इसका करियर विस्तार विदेशों तक संभावनाएं पैदा करता है।

प्रमुख शिक्षण संस्थान

- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला (हिप्र)
- गवर्नमेंट कालेज धर्मशाला (हिप्र)
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली
- बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
- देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय, इंदौर
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस कारण समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाज शास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं उसकी विसंगतियों को दूर कैसे किया जाए। इसी तरह यह हमें अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने एवं व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्व स्वत- ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं। इन सारे विषयों के बारे में बच्चों को शिक्षित कर उनका बेहतर समाजीकरण किया जा सकता है। इससे समाज में हमारी अपनी संस्कृति की तादात्मयता बनी रहती है।

कॅरियर ग्रोथ के लिए जरूरी नहीं कि आप बार-बार जॉब बदलें

अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने कॅरियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए।

पढ़ाई कंप्लीट करने के बाद जब छात्र अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रखते हैं तो उनकी जिन्दगी काफी बदल जाती है। कॉलेज की मौज-मस्ती के बाद उन्हें अपने कॅरियर को लेकर काफी सजग होना पड़ता है, ताकि वह अपना बेहतर भविष्य बना सके। कॅरियर में ग्रोथ के लिए यह जरूरी नहीं है कि आप बार-बार अपनी जॉब या कंपनी बदलें, बल्कि आपकी पहली जॉब ही आपको नई ऊचांइयों पर ले जा सकती है, बस जरूरत है कि आप कुछ बातों का खास ध्यान दें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको फ्रेशर्स के लिए कुछ बेहतरीन कॅरियर टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

टीम में काम करना

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने कॅरियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए। आपको ऑफिस में कई पर्सनैलिटीज के लोग मिलेंगे, जिनके साथ आपको सहज रूप से काम करना चाहिए। साथ ही किसी भी जिम्मेदारी को उठाना आना चाहिए।

दबाव में काम करना

यह एक ऐसा स्किल है, जो फ्रेशर्स के अंदर कम ही देखने में मिलता है। हालांकि कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आप प्रेशर के बीच बेहतर तरीके से परफॉर्म कर सकते हैं तो यकीनन अपने कॅरियर में तेजी से ग्रोथ कर सकते हैं। अत्यधिक काम के दबाव में खुद को शांत रखते हुए सही तरीके से काम करने की कला किसी भी कंपनी में उच्चाधिकारियों को इंप्रेस कर सकती हैं।

बेहतर कम्युनिकेशन

यह एक ऐसा कॅरियर टिप्स है, जो सिर्फ फ्रेशर्स के लिए ही नहीं, बल्कि हर युवा के लिए जरूरी है। आप अपने काम में चाहें कितना भी माहिर हों, लेकिन अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल बेहतर नहीं है तो आप उसे सबके साथ पेश नहीं कर सकते, जिससे आपको अपने कॅरियर में ग्रोथ नहीं मिलती। इसलिए अपने वर्क स्किल्स के साथ-साथ आपको मौखिक व लिखित कम्युनिकेशन स्किल्स को शॉर्प करने पर भी फोकस करना चाहिए।

अन्य स्किल्स

इनके अलावा भी ऐसी कई बाते हैं जो आपके कॅरियर को प्रभावित कर सकती है। मसलन, आपका टाइम मैनेजमेंट कैसा है, आप अपने काम को लेकर कितना फलेक्सिबल हैं या फिर आप अपने वाडरोब पर कितना ध्यान देते हैं। जैसी कई छोटी-छोटी बातें आपके कॅरियर को बना भी सकती हैं और बिगाड़ भी सकती हैं। इसलिए इन सभी बातों पर आपको पूरा ध्यान देना चाहिए।

चीन से सस्ते रबर आयात पर सरकार सख्त, डीजीटीआर ने शुरू की एंटी-डंपिंग जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। डीजीटीआर ने चीन से आयात होने वाले एक खास रबर पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की है। जांच की पहल रिलायंस सिबुर इलास्टोमर्स की शिकायत के बाद की गई है। कंपनी का आरोप है कि चीन से हेलो आइसोब्यूटेन और आइसोप्रीन रबर की डंपिंग से भारतीय निर्माताओं को नुकसान हो रहा है। आइए विस्तार से जानें। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई डीजीटीआर ने चीन से आयात होने वाले एक खास रबर पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की है। यह रबर मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल उद्योग में इस्तेमाल होता है। जांच की पहल रिलायंस सिबुर इलास्टोमर्स की

शिकायत के बाद की गई है। कंपनी का आरोप है कि चीन से हेलो आइसोब्यूटेन और आइसोप्रीन रबर की डंपिंग से भारतीय निर्माताओं को नुकसान हो रहा है। डीजीटीआर ने अपनी अधिसूचना में कहा कि आवेदक ने चीन से आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की मांग की है ताकि घरेलू उद्योग को अनुचित मूल्य प्रतिस्पर्धा से बचाया जा सके। डीजीटीआर ने कहा है कि घरेलू कंपनी की ओर से दाखिल विस्तृत आवेदन और प्रस्तुत प्रारंभिक साक्ष्यों के आधार पर यह जांच शुरू की गई है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि चीन से रबर की डंपिंग से भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है। अगर आरोप सही साबित हुआ तो क्या होगा? डीजीटीआर के अनुसार, अगर जांच में यह साबित होता है कि सस्ते आयात के कारण घरेलू कंपनियों को भौतिक नुकसान हुआ है, तो संस्था एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करेगी।

मुंबई में डीआरआई की बड़ी कार्रवाई; 15 करोड़ का सोना जब्त, मास्टरमाइंड समेत 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। डीआरआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई में सोने की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कुल मिलाकर 15.05 करोड़ रुपये मूल्य का 11.88 किलोग्राम 24 कैरेट सोना और 13.17 लाख रुपये मूल्य की 8.72 किलोग्राम चांदी जब्त किया गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई में सोने की तस्करी करने वाले एक गिरोह का

भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने जनकारी दी कि 15 करोड़ रुपये मूल्य की कीमती धातु जब्त की गई है। इस कार्रवाई के तहत मास्टरमाइंड समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला है कि यह गिरोह हुए सोने को अवैध रूप से देश में लाने और उसे ग्रे मार्केट में बेचने की योजना पर काम कर रहे थे। इससे न केवल आयात नियमों का उल्लंघन किया गया और सरकारी राजस्व की चोरी की गई। डीआरआई मुंबई जोनल इकाई को मुंबई में सोने की तस्करी और पिघलाने के सिंडिकेट के संचालन के बारे में जानकारी मिली थी। इसके आधार पर, डीआरआई टीमों ने सोमवार को शहर में चार स्थानों पर एक साथ तलाशी ली। इसमें दो अवैध पिघलने वाली इकाइयां और दो अपंजीकृत दुकानें शामिल थीं।

सेंसेक्स 464 अंक चढ़ा, निफ्टी 25800 के ऊपर

बढ़त के साथ खुला शेयर बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। वहीं मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 335.97 अंक या 0.40 प्रतिशत उछलकर 83,871.32 अंक पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120.60 अंक या 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,694.95 पर आ गया।

मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और भारती एयरटेल जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा, कारोबारियों ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद से भी निवेशकों की धारणा को बल मिला।

शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 464.66 अंक यानी 0.55 प्रतिशत बढ़कर 84,335.98 अंक पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 134.70 अंक यानी 0.52 प्रतिशत बढ़कर 25,829.65 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इटरनल, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ में रहीं। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति सुजुकी इंडिया, एशियन पेंट्स, आईटीसी, सन फार्मास्यूटिकल्स और ट्रेंट लिमिटेड पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।

एशियाई बाजारों में रहा मिला-जुला रुख

व्यापक एशियाई शेयर बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे, जबकि जापान का निक्केई 225 और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक नकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे।

इन कारणों से बाजार में दिखी तेजी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के जल्द ही अंतिम रूप लेने की खबर और एग्जिट पोल में बिहार में एनडीए की निर्णायक जीत के संकेत मिलने से बाजार में सकारात्मक रुझान देखने को मिल रहा है। इससे बाजार में तेजी तो आएगी, लेकिन यह बाजार में निर्णायक बढ़त और लगातार तेजी के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा रुझानों को देखते हुए, एफआईआई द्वारा उच्च स्तरों पर फिर से बिकवाली की संभावना है। जब तक एआई ट्रेड जारी रहेगा, एफआईआई के पैसे की निरंतर वापसी की संभावना कम ही दिखती है। विजयकुमार ने कहा कि मौलिक दृष्टिकोण से, आशावाद की गुंजाइश है क्योंकि जीडीपी वृद्धि मजबूत है और वित्त वर्ष 27 के लिए आय वृद्धि उज्ज्वल दिखाई देती है। वित्तीय, उपभोग और रक्षा शेयरों में तेजी के अगले चरण का नेतृत्व करने की क्षमता है। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा कि मंगलवार को निफ्टी ने जोरदार वापसी की।

भारत को 10 फीसदी तक पहुंचने के लिए बढ़ानी होगी उत्पादकता', बोले विश्व बैंक के अर्थशास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व बैंक के प्रमुख अर्थशास्त्री ऑरेलियन क्रूस भारत के सामने असली चुनौती 10 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के रास्ते तलाशने की है। भारत की आर्थिक वृद्धि की प्रमुख ताकत उसका बड़ा और लगातार बढ़ता कार्यशील जनसंख्या समूह है, जो लगभग 2050 तक बढ़ता रहेगा। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है। विश्व बैंक के प्रमुख अर्थशास्त्री ऑरेलियन क्रूस का अनुमान है कि निकट भविष्य में देश की विकास दर 6 से 7 प्रतिशत के बीच रहेगी। हालांकि, भारत

के सामने असली चुनौती 10 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के रास्ते तलाशने की है। उन्होंने कहा कि इसके लिए उत्पादकता, दक्षता और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में बेहतर एकीकरण पर ध्यान देना होगा। क्रूस के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि की प्रमुख ताकत उसका बड़ा और लगातार बढ़ता कार्यशील जनसंख्या समूह है, जो लगभग 2050 तक बढ़ता रहेगा। यह अनुकूल यानी सक्रिय कामकाजी आबादी का अधिक होना, भारत की आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण पूंजी है। इसके अलावा, भारत का तेजी से उभरता इनोवेशन हब के रूप में स्थान खासकर डिजिटल सेक्टर और वैश्विक क्षमता केंद्र में उसकी उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को नई ऊंचाई दे रहा है।

तकनीक-पर्यटन मुख्य स्तंभ

भारतीय प्रवासी देख रहे हैं भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक संबंधों में संभावनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑकलैंड के भारतीय प्रवासी समुदाय का यह कहना है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए पर्यटन, शिक्षा, डिजिटल टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में बड़े अवसर मौजूद हैं। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हाल की ऑकलैंड और रोटोरुआ यात्रा से व्यापार वार्ता को काफी प्रोत्साहन मिला है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए पर्यटन, शिक्षा, डिजिटल टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में बड़े अवसर मौजूद हैं। ऑकलैंड में भारतीय प्रवासी समुदाय का यह कहना है। भारत न्यूजीलैंड में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के क्रियान्वयन से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को भारी बढ़ावा मिलेगा। यह वर्तमान में लगभग 1.4 अरब डॉलर है। बता दें कि दोनों देश व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने के लिए व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है।

दोनों देशों के बीच मिलकर काम करने के आपार अवसर होंगे पैदा

वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हाल की ऑकलैंड और रोटोरुआ यात्रा से व्यापार वार्ता को काफी प्रोत्साहन मिला है। ऑकलैंड स्थित कंप्यूटर इंजीनियर रानी सिंह ने कहा कि मैं दोनों देशों के बीच मिलकर काम करने के लिए अपार अवसर देखती हूं, न केवल व्यापार में, बल्कि शिक्षा, पर्यटन और प्रीमियम पेय पदार्थ व प्रौद्योगिकी जैसे नवाचार-संचालित उद्योगों जैसे दीर्घकालिक संबंध बनाने वाले क्षेत्रों में भी।

उन्होंने कहा कि दोनों देश डिजिटल प्रौद्योगिकी, एआई और साइबर सुरक्षा में सहयोग से भी लाभ उठा सकते हैं। सिंह ने कहा कि इन क्षेत्रों में जहां भारत के पास व्यापकता और प्रतिभा है। वहीं न्यूजीलैंड नवाचार और मजबूत अनुसंधान वातावरण प्रदान करता है। उन्होंने आगे कहा कि हमें विश्वविद्यालयों और तकनीकी कंपनियों के बीच संयुक्त तकनीकी शिक्षा कार्यक्रमों, ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों और छात्र आदान-प्रदान के अवसरों को प्रोत्साहित करना चाहिए। इस तरह के सहयोग दोनों देशों के छात्रों को वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना करने के लिए तैयार करेंगे। इसी तरह के विचार साझा करते हुए प्रबंधन पेशेवर अजितेश शेखर ने कहा कि एयर सर्विसेज एग्रीमेंट के अपडेट और न्यूजीलैंड आने वाले भारतीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या ने पर्यटन क्षेत्र में गहरे सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। उन्होंने कहा कि सीधी हवाई कनेक्टिविटी, सुगम वीजा प्रक्रिया और साझा ब्रांडिंग से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय पर्यटन को मजबूती मिल सकती है। शेखर ने यह भी जोड़ा कि मादक पेय पदार्थ क्षेत्र, भले ही सीमित दायरे का हो, लेकिन दोनों देशों के बीच उच्च मूल्य का सहयोग प्रदान करता है। कंपनियों में एचसीएल, महिंद्रा मोटर्स, टेक महिंद्रा लिमिटेड, टीसीएस, इंफोसिस, डॉ. रेड्डी लैबोरेटरीज और रॉयल एनफील्ड मोटर्स शामिल हैं। न्यूजीलैंड में तीन लाख से ज्यादा भारतीय प्रवासी हैं।

प्रदूषण की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे बच्चे

स्वास्थ्य बीमा में 43 प्रतिशत दावे 10 साल से कम उम्र वालों के लिए

नई दिल्ली, एजेंसी। पॉलिसीबाजार की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदूषण से जुड़े स्वास्थ्य बीमा दावों में से 43 प्रतिशत 0 से 10 आयु वर्ग तक के थे। इसमें कहा गया है कि बच्चे किसी भी अन्य आयु वर्ग की तुलना में पांच गुना अधिक प्रभावित होते हैं। वहीं प्रदूषण से होने वाली बीमारियां अब अस्पताल में भर्ती होने वाले सभी दावो का 8 प्रतिशत हैं।

आज पूरा विश्व प्रदूषण की मार झेल रहा है। प्रदूषण का सबसे ज्यादा खामियाजा बच्चों को भुगतना पड़ता है। पॉलिसीबाजार की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि प्रदूषण से जुड़े स्वास्थ्य बीमा दावों में से 43 प्रतिशत 0 से

10 आयु वर्ग तक के थे। इसमें कहा गया है कि बच्चे किसी भी अन्य आयु वर्ग की तुलना में पांच गुना अधिक प्रभावित होते हैं। प्रदूषण से होने वाली बीमारियां अब अस्पताल में भर्ती होने वाले सभी दावो का 8 प्रतिशत हैं। सांस और हृदय संबंधी मामले भी इस वृद्धि में बड़ा योगदान दे रहे हैं। ऐसे बीमा दावों की संख्या के मामले में दिल्ली देश में सबसे आगे रहा है। वहीं बंगलूरू और हैदराबाद में दावों का अनुपात ज्यादा रहा। जयपुर, लखनऊ और इंदौर जैसे टियर-2 शहरों में भी मामलों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। यह दर्शाता है कि वायु प्रदूषण का असर महानगरों से आगे भी फैल रहा है। रिपोर्ट में प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों, खासकर दिवाली के आसपास, के एक स्पष्ट मौसमी पैटर्न का भी खुलासा हुआ है। दिवाली के बाद के दावों में त्योहार से पहले के स्तर की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो इस दौरान भारत में वायु गुणवत्ता सूचकांक के स्तर में आई तेज वृद्धि को दर्शाता है। अक्तूबर के अंत और दिसंबर की शुरुआत के बीच, देश के कई हिस्सों में प्रदूषण का स्तर पराली जलाने, आतिशबाजी और सर्दियों की स्थिर हवा के कारण मध्यम से गंभीर तक पहुंच जाता है। अकेले सितंबर 2025 में, अस्पताल में भर्ती होने के सभी दावों में से 9 प्रतिशत वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों से जुड़े थे,

वायु प्रदूषण सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल में बदल गया है

रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे वायु प्रदूषण एक पर्यावरणीय संकट से सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल में बदल गया है। इसमें पाया गया है कि प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों में वृद्धि ने इलाज की लागत में भी 11 प्रतिशत की वृद्धि की है। वायु प्रदूषण से जुड़ा औसत स्वास्थ्य बीमा दावा 55,000 रुपये था। वहीं औसत अस्पताल खर्च 19,000 रुपये प्रतिदिन था। रिपोर्ट में

भारत व्यापार सौदों में किसानों, डेयरी, श्रमिकों के हितों से नहीं करेगा सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत अपने मत्स्य क्षेत्र के लिए रूस जैसे नए बाजारों की तलाश कर रहा है। यह क्षेत्र अमेरिका की ओर लगाई गई भारी टैरिफ के कारण समस्याओं से जूझ रहा है। गोयल ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक समझौते पर भी टिप्पणी की है। उन्होंने क्या कहा, आइए जानते हैं। भारत व्यापार सौदों में किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों से समझौता नहीं करेगा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक समझौते के लिए हो रही बातचीत के बीच वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को इसका दो टूक एलान किया। गोयल ने कहा कि भारत अपने मत्स्य क्षेत्र के लिए रूस जैसे नए बाजारों की तलाश कर रहा है। यह क्षेत्र अमेरिका की ओर लगाई गई भारी टैरिफ के कारण समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका एक अच्छे प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। नई दिल्ली में उद्योग समागम 2025 में पीयूष गोयल ने कहा, 'हम एक अच्छे व्यापार समझौते के लिए काम कर रहे हैं। भारत किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों के साथ समझौता नहीं करने जा रहा है... हम एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं।' यह सम्मेलन राज्यों के उद्योग और वाणिज्य मंत्रियों का सम्मेलन है। गोयल ने कहा, 'हम (अमेरिका के साथ) एक निष्पक्ष और संतुलित व्यापार समझौता चाहते हैं। ऐसा किसी भी दिन हो सकता है, यह कल हो सकता है, यह अगले महीने हो सकता है, यह अगले साल हो सकता है... लेकिन एक सरकार के रूप में, हम हर चीज के लिए तैयारी कर रहे हैं।' अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। दूसरी तरफ, सरकार के एक बड़े अधिकारी ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है।

ओएनजीसी ने 6 रुपये लाभांश देने की घोषणा की

एसके फाइनेंस को 21 फीसदी अधिक मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) को दूसरी तिमाही में 9,848 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 18 फीसदी कम है। तेल की कम कीमतों के कारण शुद्ध लाभ में कमी आई है। कंपनी के बोर्ड ने मंगलवार को 6 रुपये प्रति शेयर लाभांश देने की मंजूरी दी है। ओएनजीसी जमीन व समुद्र तल से कच्चा तेल निकालती है। उसे रिफाइनरियों को बेचकर पेट्रोल व डीजल में बदला जाता है।

जयपुर स्थित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी एसके फाइनेंस लि. ने 2025-26 की पहली छमाही में 21 फीसदी बढ़त के साथ 179 करोड़ रुपये का शुद्धलाभ दर्ज किया है। कंपनी के एमडी-सीईओ राजेन्द्र कुमार सेतिया ने कहा, इस अवधि में प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 21 फीसदी बढ़कर 14,362 करोड़ रुपये पहुंच गई। इस एनबीएफसी कंपनी की 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मौजूदगी है।

सरकार और निजी क्षेत्र को वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामूहिक रूप से एक सस्ते घरेलू देखभाल मॉडल तैयार करना चाहिए। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वी.के. पॉल ने कहा, ऐसे मॉडलों के कार्यान्वयन के मार्गदर्शन के लिए संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। यह मॉडल पारंपरिक चिकित्सा की अवधारणाओं को आधुनिक टेलीमेडिसिन व तकनीक के साथ जोड़कर घरेलू देखभाल को बेहतर बना सकता है।

पॉल ने सीआईआई के कार्यक्रम में कहा, ऐसे मॉडलों का उद्देश्य घर बैठे विशेष रूप से गंभीर परिस्थितियों में उच्च-गुणवत्ता वाली

देखभाल प्रदान करना होना चाहिए। ऐसे मॉडलों के अंतर्गत महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित विशिष्ट मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। महिलाओं के लिए संवेदनशीलता और अतिरिक्त देखभाल की भी जरूरत है।

बजाज फिनसर्व को सितंबर तिमाही में 2,244 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 8 फीसदी अधिक है। आय एक साल पहले के 33,704 करोड़ रुपये से बढ़कर 37,403 करोड़ रुपये हो गई। ब्याज आय बढ़कर 19,599 करोड़ रुपये रही। कंपनी का खर्च एक साल पहले की समान अवधि के 27,741 करोड़ से बढ़कर 30,581 करोड़ हो गया। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष, प्रबंध निदेशक और सीईओ वरुण बेरी ने इस्तीफा दे दिया है। इस खबर के बाद कंपनी का शेयर कारोबार के दौरान 7 फीसदी तक टूट गया। हालांकि बाद में 2.68 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। कंपनी ने रक्षित हर्गेव को 15 दिसंबर, 2025 से प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त किया है। हर्गेव आदित्य बिड़ला की ग्रासिम इंडस्ट्रीज के बिड़ला ओपस के सीईओ थे।

घरेलू बीमा और एनपीएस ने शेयर बाजार में लगाया रिकॉर्ड 1.08 लाख करोड़

साल-दर-साल निवेश हुआ दोगुना

नईदिल्ली, एजेंसी। 2025 में बीमा कंपनियों और नेशनल पेंशन सिस्टम ने शेयर बाजार में अब तक 1.08 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया, जो इतिहास में सबसे बड़ा है। बीमा कंपनियों ने 56,821 करोड़ और एनपीएस ने 51,308 करोड़ रुपये लगाए। पिछले साल की तुलना में यह निवेश दोगुना से अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि नियम आसान होने और एसेट बढ़ने के कारण अधिक रिटर्न की तलाश में यह कदम उठाया गया।

घरेलू बीमा कंपनियों और नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) ने शेयर बाजारों में

इस साल अब तक रिकॉर्ड 1.08 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह इन दोनों सेगमेंट से अब तक का सर्वाधिक निवेश है। बीमा कंपनियों ने इस साल की शुरुआत से अब तक इक्विटी में 56,821 करोड़ और एनपीएस ने 51,308 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह दोनों की ओर से 2024 के क्रमशः 23,062 करोड़ और 13,328 करोड़ के निवेश से काफी अधिक है।

- बाजार में निवेश ऐसे समय पर देखा गया है, जब इक्विटी ने इस वर्ष सुस्त प्रदर्शन किया है। विश्लेषकों का कहना है कि नियमों के आसान होने और एसेट अंडर मैनेजमेंट में इजाफा होने के कारण बीमा कंपनियों एवं एनपीएस की ओर से अधिक रिटर्न पाने के लिए इक्विटी में निवेश किया गया है। पेंशन निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने हाल के वर्षों में अपने नियमों में संशोधन करते हुए टियर-1 एनपीएस खातों के लिए 75 फीसदी और टियर-2 खातों के लिए 100 फीसदी तक इक्विटी निवेश की मंजूरी दी है। वहीं 56822 करोड़ बीमा कंपनियों ने लगाए इस साल अब तक 51,308 करोड़ रुपये का निवेश किया है एनपीएस ने। बीमा नियामक इरडा से मिली छूट ने बीमा कंपनियों को सरकारी और अनुमोदित प्रतिभूतियों में बड़ी हिस्सेदारी बनाए रखते हुए सीमा के भीतर इक्विटी निवेश बनाए रखने की अनुमति दी।

ओलंपिक के सबसे पुराने खेलों में शामिल है साइकिलिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। साइकिल मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के लिए आवागमन का एक बेहतरीन और सुविधाजनक साधन है। ग्रामीण क्षेत्रों में साइकिल आज भी सबसे ज्यादा उपयोग में लाया जाने वाला परिवहन का साधन है। नियमित साइकिल से व्यक्ति का स्वास्थ्य भी उत्तम रहता है। भारत सरकार भी देश में स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाने के लिए चलाए जा रहे 'फिट इंडिया कार्यक्रम' के माध्यम से साइकिलिंग को बढ़ावा दे रही है। लेकिन, क्या आपको पता है कि साइकिलिंग एक खेल भी है और विश्व के सबसे पुराने और बड़े खेल मंच में इसकी प्रतिस्पर्धा होती है। जानकारी के मुताबिक साइकिल का उदय या चलाने की शुरुआत 1816 में मध्य जर्मनी में हुई थी। पहली आधिकारिक साइकिल रेस 1868 में फ्रांस में हुई थी। पहले ओलंपिक का आयोजन 1896 में एथेंस में हुआ था।

बीएमएक्स फ्रीस्टाइल

यह एक नई स्पर्धा है जिसमें एथलीट करतब दिखाते हैं और इसे 2020 में ओलंपिक में शामिल किया गया था। ग्रेट ब्रिटेन के जेसन केनी के नाम ओलंपिक खेलों में साइकिलिंग में सर्वाधिक स्वर्ण पदक (7) और सर्वाधिक कुल पदक (9) जीतने का रिकॉर्ड है। वहीं फ्रांस ने साइकिलिंग में 41 स्वर्ण पदक जीते हैं, जो ओलंपिक खेलों में किसी भी देश से सर्वाधिक है। फ्रांस ने कुल 93 पदक जीते हैं। ग्रेट ब्रिटेन ने कुल 100 ओलंपिक साइकिलिंग पदक जीते हैं, जिनमें 38 स्वर्ण, 35 रजत और 27 कांस्य पदक हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 60 पदक जीते हैं, जिनमें 17 स्वर्ण, 22 रजत और 21 कांस्य पदक हैं।

आपको जानकर हैरानी होगी कि 1896 से ही साइकिलिंग ओलंपिक का हिस्सा रहा है। महिलाओं को ओलंपिक में साइकिलिंग प्रतिस्पर्धा में उम्मीदवारी देर से मिली। महिलाओं को पहली बार 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में जोड़ा गया था। दोनों वर्ग के लिए व्यक्तिगत टाइम ट्रायल 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पेश किया गया था।

ओलंपिक में मुख्य रूप से पांच तरह की साइकिलिंग होती है:-

- **रोड साइकिलिंग:** इसमें लंबी दूरी की दौड़ होती है। यह रोड रेस और इंडिविजुअल टाइम ट्रायल जैसी स्पर्धाओं में विभाजित है।
- **ट्रैक साइकिलिंग:** यह ट्रैक पर आयोजित की जाती है, जिसमें स्प्रिंट, टीम परस्यूट, और ओम्नियम जैसी कई तरह की स्पर्धाएं शामिल हैं।
- **माउंटेन साइकिलिंग:** इस स्पर्धा में एथलीट ऑफ-रोड कोर्स पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। इसे 1996 में ओलंपिक में पेश किया गया था।
- **बीएमएक्स रेसिंग:** यह एक बाधा कोर्स पर आयोजित एक तेज गति की दौड़ है। इसे 2008 में ओलंपिक कार्यक्रम में जोड़ा गया था।

सदियों का सफर किया तय

- **गोल्फ:** ओलंपिक में वापसी के लिए करना पड़ा 112 वर्षों का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्फ उन खेलों में से एक है, जिसे अमीरों का शौक माना जाता है। भले ही इसे साल 1900 में पहली बार ओलंपिक में शामिल किया गया लेकिन इसका इतिहास काफी पुराना रहा है। माना जाता है कि आधुनिक गोल्फ की शुरुआत 15वीं शताब्दी में नीदरलैंड में हुई थी। उस दौर में इसे 'कोल्फ' और 'कोलवेन' के नाम से जाना जाता था, लेकिन 1457 में स्कॉटलैंड के राजा जेम्स द्वितीय ने इस खेल पर बैन लगा दिया, क्योंकि इससे सैन्य प्रशिक्षण में रुकावट आ रही थी। 1502 में इस बैन को हटा लिया गया।धीरे-धीरे ये खेल मशहूर होने लगा। साल 1754 में 'होम ऑफ गोल्फ' कहलाने वाले सेंट एंड्रयू शहर में गोल्फ के नियम भी बनाए गए। पहला गोल्फ संगठन भी यहीं बना। 1860 में प्रेस्टविक गोल्फ क्लब में पहली बार ओपन चैंपियनशिप का आयोजन किया गया और 19वीं सदी के अंत तक यह खेल ब्रिटेन और अमेरिका सहित दुनियाभर में फैल गया।
1900 के पेरिस ओलंपिक में पहली बार गोल्फ खेला गया। अमेरिका के चार्ल्स एडवर्ड सैंड्स ने पुरुषों के इवेंट को जीता,

जबकि महिलाओं के इवेंट को मार्गरेट इवेस एबॉट ने अपने नाम किया। चार साल बाद महिलाओं की प्रतियोगिता को टीम इवेंट के रूप में बदला गया, लेकिन साल 1904 के बाद इस खेल को संगठनात्मक समस्याओं और अंतरराष्ट्रीय रुचि की कमी के कारण ओलंपिक से हटा दिया गया। इसके बाद गोल्फ को ओलंपिक में लौटने के लिए 112 वर्षों का लंबा इंतजार करना पड़ा। अक्टूबर 2009 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्यों ने 2016 रियो ओलंपिक में गोल्फ को शामिल करने के पक्ष में मतदान किया। आखिरकार, साल 2016 में इसकी ओलंपिक में वापसी हुई और तब से यह खेल ओलंपिक का हिस्सा बना हुआ है। गोल्फ कोर्स पर खेले जाने वाले इस खेल में 'क्लब' और 'बॉल' का इस्तेमाल किया जाता है। एक राउंड में आमतौर पर 18 होल होते हैं। पेशेवर प्रतियोगिताओं में 4 राउंड का खेल होता है। खिलाड़ी को अपने स्ट्रोक को होल में पहुंचाना होता है। इस दौरान उन्हें सैंड ट्रैप्स, पेड़, पानी, रफ सर्फेस और बंकर जैसी बाधाओं का सामना करना होता है। अगर गेंद पानी में चली जाए, तो खिलाड़ियों को पेनाल्टी शॉट खेलना पड़ता है। ऐसे में गोल्फर को पानी के अंदर जाकर फिर से शॉट खेलना होता है। खिलाड़ी 'टी-शॉट' के साथ खेल की शुरुआत करता है और छोटे-छोटे होल में गेंद को पहुंचाता है। प्रत्येक होल के अलग-अलग अंक होते हैं। स्ट्रोक प्ले गोल्फ में गोल्फर के हर राउंड के 18 होल के अंकों को जोड़ा जाता है।

एशियाई खेलों की पदक विजेता मंजू पर लगा पांच साल के लिए प्रतिबंध

नाडा ने डोपिंग के लिए की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंचियोन एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता तार गोला (हैमर थ्रो) खिलाड़ी मंजू बाला पर डोपिंग के कारण पांच साल का प्रतिबंध लगाया गया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने यह फैसला लिया है।

नाडा की कार्रवाई

मंजू बाला का परीक्षण डिहाइड्रोक्लोरोमिथाइल-टेस्टोस्टेरोन (स्टेरॉयड) और सार्म्स एलजीडी-4033 (लिगैंड्रोल) जैसी प्रतिबंधित दवाओं के लिए पॉजिटिव आया था। नाडा ने पिछले साल सितंबर में उनके डोपिंग में असफल होने की जानकारी सार्वजनिक की थी। एडीडीपी के 15 अक्तूबर 2024 को दिए गए फैसले के अनुसार, मंजू बाला का निलंबन 10 जुलाई 2024 से प्रभावी होगा।

इन पर भी हुई कार्रवाई

- एथलीट मोहन सैनी पर चार साल का प्रतिबंध (14 अक्टूबर 2025 से) लगाया। ● बॉडीबिल्डर गोपाल कृष्णन, अमित कुमार और राजवर्धन संजय वास्कर पर छह-छह साल का प्रतिबंध लगाया।
- बॉडीबिल्डर शुभम महारा को चार साल के लिए निलंबित किया गया। मुक्केबाज सुमित पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया।
- कैनोइस्ट नितिन वर्मा और बास्केटबॉल खिलाड़ी शिवेंद्र पांडे पर क्रमशः चार और छह साल का प्रतिबंध लगाया गया।
- इस बीच, डोपिंग रोधी अपील पैनल ने 2024 में धाविका हिमानी चंदेल पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध को भी बरकरार रखा।

भारत-साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज

इकलौता बल्लेबाज, जिसने छुआ 500 रन का आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट इतिहास में अब तक 44 मैच खेले गए हैं, जिसमें कई रिकॉर्ड्स टूटे और कई रिकॉर्ड्स बने। क्या आप उस इकलौते खिलाड़ी के बारे में जानते हैं, जिसने भारत-साउथ अफ्रीका के बीच एक ही टेस्ट सीरीज में 500 रन के आंकड़े को छुआ? यह एक भारतीय खिलाड़ी था। यह कारनामा रोहित शर्मा ने अक्टूबर 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई घरेलू टेस्ट सीरीज में किया था। इस पूरी सीरीज में रोहित ने तीन मुकाबलों की चार पारियों में 132.25 की औसत के साथ 529 रन बनाए। इस सीरीज में दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने चार पारियां खेलीं, जिसमें 3 शतक लगाए। इस सीरीज में रोहित शर्मा के बल्ले से 62 चौके और 19 छक्के निकले। सीरीज का पहला मैच विशाखापत्तनम में खेला गया था। पहली पारी में रोहित शर्मा ने 244 गेंदों का सामना करते हुए 6 छक्कों और 23 चौकों के साथ 176 रन बनाए। दूसरी पारी में उन्होंने 149 गेंदों में 127 रन बनाए। इस पारी में उनके बल्ले से 7 छक्के और 10 चौके निकले। भारत ने मैच 203 रन से अपने नाम किया।

अगला मुकाबला पुणे में खेला गया, जिसमें भारत ने सिर्फ एक ही पारी खेली।

रोहित ने इस दौरान 35 गेंदों में 1 चौके के साथ 14 रन बनाए। कप्तान विराट कोहली (254) और मयंक अग्रवाल (108) की शानदार पारियों के दम पर टीम इंडिया ने मुकाबला पारी और 137 रन से जीता था। सीरीज का तीसरा मुकाबला रांची में खेला गया। इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने पहली पारी में बतौर सलामी बल्लेबाज 212 रन बनाए। उन्होंने 255 गेंदों की पारी में 6 छक्के और 28 चौके लगाए। भारत ने यह इनिंग 497/9 के स्कोर पर घोषित की। मुकाबले को पारी और 202 रन से अपने नाम करते हुए टीम इंडिया ने सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

BCCI ने रोहित-कोहली को घरेलू मैचों में खेलने का दिया निर्देश : रिपोर्ट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू मुकाबलों में खेलते नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इन दिग्गज खिलाड़ियों को अपनी-अपनी राज्य टीमों के घरेलू मैचों में खेलने का निर्देश दिया गया है, ताकि वह वनडे टीम की दौड़ में बने रहें। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को विजय हजारे ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया है, लेकिन कोहली की ओर से इस बारे में कोई अपडेट नहीं आया है। बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, 'बोर्ड और टीम मैनेजमेंट ने दोनों खिलाड़ियों को बता दिया है कि अगर उन्हें भारत के लिए खेलना है, तो घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। चूंकि वे

दोनों खिलाड़ी दो फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए मैच के लिए फिट होने के लिए उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। विराट कोहली-रोहित शर्मा टी20 और टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। फिलहाल बीसीसीआई का फोकस टी20 विश्व कप 2026 पर है। ऐसे में कोहली और रोहित को वनडे विश्व कप 2027 के लिए टीम में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए खेलने का समय चाहिए होगा।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज में अपनी छाप छोड़ी थी। ये दोनों खिलाड़ी संभवतः साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज में हिस्सा लेंगे, जिसकी शुरुआत 30 नवंबर से होगी। इसके बाद 'रो-को' संभवतः जनवरी 2026 में ही भारतीय टीम में फिर से नजर आएंगे। टीम इंडिया 11 तारीख से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैचों की मेजबानी करेगी। इस बीच कोहली और रोहित को करीब एक महीने का ब्रेक मिलेगा, जिस दौरान विजय हजारे ट्रॉफी खेली जानी है।पिछले सीजन में रोहित और कोहली ने एक-एक रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। जनवरी में, विराट कोहली 12 साल के अंतराल के बाद दिल्ली के लिए खेलने लौटे थे, जबकि रोहित शर्मा 10 साल के बाद मुंबई के लिए खेले।

एटीपी फाइनल्सः

रोमांचक मुकाबले में डी मिनौर को हराकर मुसेट्टी ने रखीं उम्मीदें बरकरार

ट्यूरिन, एजेंसी। एटीपी टूर फाइनल्स में लोरेंजो मुसेट्टी ने रोमांचक मुकाबले में एलेक्स डी मिनौर को 7-5, 3-6, 7-5 से शिकस्त दी। इसी के साथ मुसेट्टी ने एटीपी टूर फाइनल्स 2025 में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह मुकाबला 2 घंटे 47 मिनट तक चला। लोरेंजो मुसेट्टी ने पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया था, लेकिन दूसरे सेट में वह 3-6 से पिछड़ गए। इसके बाद 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने उस समय अपनी चमक फिर से दिखाई जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। 4-3, 30/30 के स्कोर पर 31 शॉट की शानदार रैली में हारने के बाद मुसेट्टी ने नाटकीय अंदाज में वापसी की। उन्होंने तीसरा सेट 7-5 से जीतकर अपने सीजन की सबसे बड़ी जीत में से एक हासिल की।

इसी के साथ मुसेट्टी ने जिमी कॉनर्स ग्रुप में 1-1 की बराबरी करते हुए क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को बरकरार रखा है।

एटीपी टूर फाइनल्स में पहली बार प्रतिस्पर्धा करते हुए, मुसेट्टी ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के दम पर क्वालीफाई किया। वह मोंटे-कार्लो, चेंगदू और हाल ही में पिछले हफ्ते एथेंस में फाइनल में पहुंचे और इस सीजन में 45-21 का रिकॉर्ड बनाया।

2025 से पहले, इस इतालवी खिलाड़ी ने कभी भी एक साल में 40 से ज्यादा टूर-स्तरीय जीत दर्ज नहीं की थी। अब वह इस उपलब्धि को बहुत पीछे छोड़ चुके हैं। लोरेंजो मुसेट्टी गुरुवार को अपने तीसरे मैच में पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज से भिड़ेंगे। बीते हफ्ते सर्बिया के दिग्गज टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने हेलेनिक चैंपियनशिप के फाइनल में मुसेट्टी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

दुल्हन की तरह सजी अदिति राव हैदरी

- व्हाइट-गोल्डन लहंगे में चांद सी चमकी एक्ट्रेस
- तस्वीरें चुरा लेंगी दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, और इस बार वजह है उनका लेटेस्ट ब्राइडल लुक जिसमें वो किसी अप्सरा से कम नहीं नजर आ रही हैं, उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहीं हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी एक बार फिर अपने रॉयल लुक को लेकर सुर्खियों में हैं. इस बार अदिति ने ऐसा ब्राइडल लुक अपनाया है. जिसे देखकर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं. सोशल मीडिया पर अदिति की ये नई तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें वो किसी परी से कम नहीं लग रहीं. दरअसल, अदिति ने हाल ही में डिजाइनर गौरव गुप्ता के लिए एक फोटोशूट किया है, जिसमें वो दुल्हन की तरह सजी नजर आईं. व्हाइट और गोल्डन कलर के लहंगे में अदिति का अंदाज बेहद रॉयल और ग्रेसफुल दिखा. अदिति के इस लेटेस्ट लहंगा लुक पर किया गया हैवी गोल्डन वर्क और शिमरी टेक्सचर उनके पूरे लुक को शाही बना रहा था. जिस पर से फैंस का नजरें हटाना भी मुश्किल हो गया है.

इस स्टाइल से दुपट्टे को किया ड्रेप

इस खूबसूरत लहंगे के साथ अदिति ने मैचिंग ब्लाउज पहना और उसके ऊपर गोल्डन दुपट्टा डाला, जो उनके ब्राइडल अवतार को और भी निखार रहा है. वहीं ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने पर्ल्स वाला हैवी नेकलेस, झुमके और ग्रीन स्टोन वाली मांगटीका पहनी. ये ज्वेलरी उनके लुक में ट्रेडिशनल खूबसूरती का टच दे रहा है. अदिति ने अपने मेकअप को काफी सटल रखा है. हल्का ग्लो, न्यूड लिप्स और सॉफ्ट स्मोकी आईज के साथ उन्होंने अपने नेचुरल फीचर्स को फ्लॉन्ट किया है. बालों को सिंपल बन में बांधकर उन्होंने अपने इस रॉयल ब्राइडल लुक को पूरा किया. फोटोशूट के दौरान अदिति ने कई शानदार पोज दिए, जिनमें उनकी अदाएं और एक्सप्रेशन ने फैंस का दिल जीत लिया. सोशल मीडिया पर उनके फोटोज पर लोग कमेंट्स कर रहे हैं. कोई उन्हें रॉयल क्वीन कह रहा है तो कोई चांद सी खूबसूरत बता रहा है. अदिति राव हैदरी हमेशा से अपने क्लासी और एलिगेंट फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं. चाहे वेस्टर्न लुक हो या ट्रेडिशनल, वो हर आउटफिट में अपना अलग चार्म लेकर आती हैं. लेकिन इस बार उनके ब्राइडल अवतार ने सबका दिल

'द राजा साब' की शूटिंग पूरी

- प्रभास से जुड़े इस खास दिन पर हुई कंप्लीट; डायरेक्टर ने लिखा स्पेशल मैसेज

फिल्म 'द राजा साब' की शूटिंग पूरी होने पर फिल्म के डायरेक्टर मारुति ने खुशी जाहिर की है। साथ ही उन्होंने बताया कि यह फिल्म तय समय पर रिलीज होगी।

प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' की शूटिंग अब पूरी हो चुकी है। फिल्म के डायरेक्टर ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। उन्हें इस बात की खुशी है कि फिल्म के लीड एक्टर प्रभास से जुड़े खास दिन पर फिल्म 'द राजा साब' पूरी हुई। कौन सा है वो दिन? और कब रिलीज होगी 'द राजा साब' जानिए?

डायरेक्टर मारुति ने शेयर की पोस्ट

एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर डायरेक्टर मारुति ने पोस्ट करते हुए लिखा, '23 साल पहले प्रभास ने सिनेमा में अपना पहला कदम रखा था। आज उसी दिन फिल्म 'द राजा साब' ने अपनी शूटिंग पूरी की है। प्रभास की जर्नी का हिस्सा बनकर लकी फील कर रहा हूं। मुझे पूरा यकीन है कि हमारी फिल्म एक एनर्जी से भरी होगी।' हम फैंस के प्यार और बेसब्री को समझते हैं। लेकिन वादा करते हैं कि 'द राजा साब' बेस्ट होगी।'

कृष्णा अभिषेक के लिए सुनीता मामी की टिप्पणी पर आरती का रिएक्शन, बोलीं-

मुझे पता था, वो हमें प्यार करती हैं

गोविंदा के भांजे व कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और अभिनेता की पत्नी सुनीता आहूजा के बीच वर्षों मन-मुटाव रहा। हालांकि, वर्षों पुरानी खटास अब दूर हो चुकी है। हाल ही में सुनीता आहूजा ने खुद यह बात कही। इस पर गोविंदा की भांजी व कृष्णा की बहन आरती का रिएक्शन सामने आया है।

सुनीता आहूजा और गोविंदा के भांजे कृष्णा अभिषेक के बीच कई साल तक बोलचाल बंद रही। एक शो में कृष्णा ने कथित तौर पर गोविंदा को लेकर कोई ऐसी टिप्पणी की थी, जिस पर सुनीता को बुरा लग गया। इसके चलते उनके परिवार और कृष्णा के बीच दूरियां बढ़ गईं। मगर, अब सब ठीक है। सुनीता आहूजा ने हाल ही में स्वीकार किया कि वर्षों पुराना पारिवारिक विवाद अब खत्म हो चुका है। वे कृष्णा अभिषेक से लेकर आरती तक, घर के सभी बच्चों के लिए खुशहाली की प्रार्थना करती हैं। इस पर एक्ट्रेस आरती सिंह ने खुशी जताई है।

सुनीता आहूजा ने हाल ही में पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में इस बारे में बात की थी। उन्होंने कहा, सब ठीक है. कृष्णा अभिषेक और आरती मेरे बच्चे की तरह हैं। मैं पुराना सब भूल गई हूं। सुनीता ने कहा कि अब वे नाराज नहीं हैं और सभी के लिए खुशी चाहती हैं। कृष्णा की बहन, आरती सिंह इस बात से खुश हैं। उन्हें उम्मीद है कि फैमिली रिलेशन अब मजबूत हो रहे हैं। यह दिखाता है कि परिवार में गलतफहमियां समय और प्यार से ठीक की जा सकती हैं। आरती सिंह ने बात करते हुए कहा, हां, मैंने वह इंटरव्यू देखा। मैं बहुत खुश हूं। हम हमेशा उनके बच्चे थे और अंदर से मुझे हमेशा पता था कि वह हमसे प्यार करती हैं। इन वर्षों में जो कुछ भी हुआ, आपने मेरी तरफ से कभी कुछ नहीं सुना होगा। मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि उन्होंने कृष्णा के बारे में क्या कहा। मैं सच में यह सुनना चाहती थी। उन्होंने बात नहीं की है या कुछ भी नहीं हुआ है, लेकिन मुझे बहुत राहत मिली है कि वह अब उससे नाराज नहीं हैं।

सभी बच्चों को दिया आशीर्वाद

सुनीता ने हाल ही में परिवार के झगड़े के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने नई पीढ़ी को माफ कर दिया। उन्होंने बताया कि कृष्णा, विनय, डंपी और उनके जेठ के बेटे उनके अपने बच्चों जैसे हैं। सुनीता ने कहा, मैं पुरानी सारी बातें भूल गई हूं। अब मैं बस चाहती हूं कि सभी बच्चे हंसें, खेलें और खुश रहें।

अदा शर्मा ने सिखाया 'कद्दू कोर वर्कआउट', बोलीं-

31 दिनों में दिखेगा बदलाव

अभिनेत्री अदा शर्मा न केवल अपने स्वास्थ्य को लेकर अलर्ट रहती हैं बल्कि नए-नए तरीकों से फैंस को वर्कआउट के लिए प्रेरित भी करती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अदा शर्मा ने वीडियो शेयर किया, जिसमें नई फिटनेस चुनौती 'कद्दू कोर वर्कआउट 3.0' के बारे में फैंस को जानकारी दी। अदा ने बताया कि इस वर्कआउट से मात्र 31 दिनों में अपना जीवन बदल सकते हैं। पोस्ट में उन्होंने फैंस को कद्दू के साथ 20 रेप्स तक रोजाना इस वर्कआउट को करने की सलाह दी। अदा शर्मा की गिनती उन एक्टर्स में की जाती है, जो फिटनेस को लेकर अलर्ट रहती हैं। उनकी यह तीसरी कोर वर्कआउट सीरीज है, जो विशेष रूप से कोर मसल्स को मजबूत बनाने पर फोकस करती है। इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'कद्दू कोर वर्कआउट 3.0 इसे 31 दिन 20 रेप्स तक करें और अपना जीवन बदल लें! कौन कौन करेगा कद्दू कोर वर्कआउट 3.0? मुझे टैग करो मैं जवाब दूंगी। ' इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह खुद इस एक्सरसाइज को डेमॉन्स्ट्रेट कर रही हैं। वीडियो में कद्दू (पंपकिन) को प्रॉप के रूप में इस्तेमाल किया गया है। इससे पहले अभिनेत्री ने ब्रेन वर्कआउट से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि एक हाथ से धीमे-धीमे और दूसरे हाथ से झटपट झटपट एक्सरसाइज, अगर ये हो रहा है तो ब्रेन के लिए ये काफी लाभदायी होता है। फिटनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार, कोर वर्कआउट बॉडी की स्थिरता बढ़ाने, पोस्चर सुधारने और ओवरऑल स्ट्रेंथ में मदद करता है। अदा शर्मा की पोस्ट पर फैंस कमेंट करते नजर आए। एक फैन ने लिखा, 'न्यू योगा टीचर अनलॉक।' दूसरे ने लिखा, 'वाह, बहुत मजेदार और फनी वर्कआउट है।

घर पर अचानक बेहोश हुए गोविंदा

जुहू के अस्पताल में कराया गया भर्ती

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा अस्पताल में भर्ती हो गए हैं। एक्टर अचानक अपने घर में बेहोश होकर गिर गए थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा को आधी रात अपने घर पर बेहोश हो गए थे, जिसके बाद उन्हें मुंबई स्थित जुहू के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके दोस्त ललित बिंदल ने यह जानकारी दी।

अस्पताल में चल रही जांच

गोविंदा के दोस्त ललित बिंदल ने पीटीआई से बात करते हुए अभिनेता गोविंदा के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'शाम को वो घर पर अचानक बेहोश हो गए थे, फिर उन्होंने मुझे फोन किया। मैं उन्हें क्रिटिकेयर अस्पताल ले आया। वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनकी जांच चल रही है।'

सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर दी जानकारी

अभिनेता के दोस्त ललित बिंदल ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए भी जानकारी दी। उन्होंने एक नोट साझा करते हुए लिखा, टमेरे प्रिय दोस्त गोविंदा को बेहोश होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

शॉर्ट स्कर्ट पहन

टीवी की पार्वती ने शेयर किया प्रेग्नेंसी लुक

टीवी के मोस्ट पॉपुलर शो देवों के देव... महादेव से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सोनारिका भदोरिया ने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज में बेबी बंप फ्लॉन्ट किया है, जो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है. टीवी के पॉपुलर शो देवों के देव... महादेव में पार्वती के किरदार से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सोनारिका भदोरिया इन दिनों प्रेग्नेंसी पीरियड एंजॉय कर रही हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने अपना स्टाइलिश प्रेग्नेंसी लुक फैंस के साथ साझा किया है, जिसमें उनके बेबी बंप की फोटोज से बवाल काट दिया है. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही हैं. सोनारिका भदोरिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रेग्नेंसी लुक की कुछ तस्वीरें पोस्ट की है, जिसमें उनका बेबी बंप साफ-साफ देखा जा सकता है.

बेबी बंप की तस्वीरों ने मचाई सनसनी!

शॉर्ट स्कर्ट में दिखाया बेबी बंप

टीवी पर संस्कारी और हमेशा साड़ी में नजर आने वाली सोनारिका भदोरिया रियल लाइफ काफी ग्लैमरस हैं. जिसका सबूत उनकी लेटेस्ट तस्वीरें हैं, जिसमें वह शॉर्ट स्कर्ट बहने बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं.

स्टाइलिश स्टाइल में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

सोनारिका भदोरिया ने इसी साल 14 सितंबर 2025 को अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज फैंस के साथ शेयर की थी. वहीं अब एक्ट्रेस ने बेबी बंप में कुछ फोटोज शेयर की है, जिसमें उनका स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज साफ झलक रहा है.

सटल मेकअप और बन से लूटा दिल

इन फोटोज में एक्ट्रेस व्हाइट शर्ट के साथ शॉर्ट स्कर्ट पहने नजर आ रही हैं, जिसके साथ उन्होंने येलो जैकेट भी कैरी किया है. वहीं अगर उनके लुक की बात करें तो, उन्होंने सटल मेकअप और बन के साथ अपने लुक को पूरा किया है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं.

व्हाइट अटायर में बिखेरा जलवा

सोनारिका ने स्कर्ट के बाद ड्रेस वाला स्टाइलिश लुक भी दिखाया. जिसमें वो व्हाइट कलर का शॉर्ट स्लीव्स अटायर पहने नजर आ रही हैं. ड्रेस को शर्ट वाला लुक देने के लिए इस पर राउंड शेप वाले बटन लगाए गए हैं. वहीं, कमर पर बंधी व्हाइट बेल्ट एक्ट्रेस के इस लुक को परफेक्ट बना रही है.

अरशद वारसी ने की आर्यन खान के निर्देशन की तारीफ

बोले- गफूर की सफलता का श्रेय आर्यन को जाता है, वह बहुत खास व्यक्ति हैं

अरशद वारसी हाल ही में आर्यन खान की वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नजर आए। इसमें उन्होंने गफूर का किरदार निभाया। एक इंटरव्यू में अरशद ने कहा कि इस भूमिका की सफलता का पूरा श्रेय आर्यन खान को जाता है। बातचीत में अरशद ने कहा, आर्यन खान, जो इस सीरीज के निर्देशक हैं बहुत ही खास व्यक्ति हैं। वे उन निर्देशकों में से हैं जिनके दिमाग में हमेशा एक फिल्म चलती रहती है। मैंने सीरीज में छोटा सा रोल इसलिए किया क्योंकि मुझे आर्यन और शाहरुख पसंद हैं, लेकिन इसका असर बहुत बड़ा हुआ। उनके साथ काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि आर्यन उन निर्देशकों में से हैं जिनकी बात सुनकर आप सच में उसका पालन करना चाहते हैं। अरशद वारसी ने आगे बताया कि उनके किरदार में जो कुछ भी देखा गया, वह सब आर्यन ने ही लिखा और कल्पना किया था। इस गाने और उनके किरदार गफूर की सफलता पूरी तरह आर्यन के कारण है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि आर्यन में निर्देशक बनने की सभी खूबियां हैं। बताते चलें कि सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड से आर्यन खान ने डायरेक्टोरियल डेब्यू किया है। सीरीज कई वजहों से विवादों रही। पहला विवाद रणबीर कपूर के बिना डिस्क्लेमर के ई-सिगरेट पीने पर हुआ है। और दूसरा विवाद समीर वानखेड़े की छवि बिगाड़े जाने के आरोपों से है।

के-पॉप स्टार ने 30 दिन में घटाया 10 किलो वजन, स्टेज शो में अचानक हुई बेसुध

कोरियन पॉप स्टार ह्यूना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वे स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान अचानक बेसुध होकर गिरती दिखी हैं। बाद में वजह पता चली कि ह्यूना ने डाइटिंग के जरिए महीनेभर में 10 किलो वजन घटाया। अब चिंतित फैंस उन्हें सलाह दे रहे हैं।

दक्षिण कोरिया की मशहूर पॉप सिंगर ह्यूना एक लाइव स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर गईं। यह घटना तब हुई, जब वे वॉटरबॉम्ब 2025 मकाऊ म्यूजिक फेस्टिवल में अपने हिट सॉन्ग 'Bubble Pop' पर परफॉर्म कर रही थीं। गाना गाते-गाते अचानक वे बेसुध होकर गिर पड़ीं। तुरंत सिक्योरिटी स्टाफ और के-पॉप आइकन के डांसर्स ने उन्हें उठाया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद ह्यूना ने चुप्पी तोड़ते हुए वजह बताई और फैंस से माफी भी मांगी है।

प्रेग्नेंसी की अफवाह के बाद घटाया वजन

ह्यूना ने खुलासा किया कि हाल ही में उन्होंने महज 30 दिनों के भीतर करीब 10 किलो वजन कम किया। ऐसा उन्होंने ऑनलाइन ट्रोलिंग के बाद किया। दरअसल, शादी के बाद बढ़ते वजन के बीच उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ने लगीं। इसके बाद उन्होंने तेजी से वजन घटाने का फैसला लिया और डाइटिंग करने लगीं। यह उनकी सेहत पर भारी पड़ गया।

फैंस से मांगी माफी, किया वादा

प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ीं तो ह्यूना ने 03 अक्तूबर को सख्त डाइट प्लान अपनाने की बात कही थी। थोड़ा आराम महसूस करने के बाद ह्यूना ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर फैंस से माफी मांगी।